वर्ष-10 अंक-225 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, सोमवार 18 नवम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

संक्षिप्त समाचार

जलवायु संकट को नहीं मानने वाले क्रिस राइट होंगे ट्रंप के नए ऊर्जा मंत्री, फ्रैकिंग तकनीक के हैं दिग्गज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'ऊर्जा मंत्री के रूप में, क्रिस एक प्रमुख नेता होंगे, जो नवाचार को आगे बढ़ाएंगे, लालफीताशाही को कम करेंगे और अमेरिकी समृद्धि और

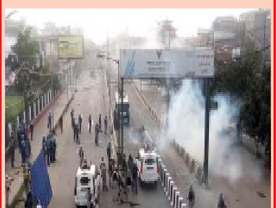

वैश्विक शांति के नए स्वर्ण युग की शुरुआत करेंगे।' अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को शक की निगाह से देखने वाले क्रिस राइट को नया ऊर्जा मंत्री बनाया है। ट्रंप ने राइट को लालफीताशाही को कम करने और जीवाश्म ईंधन में निवेश को बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है। ट्रंप ने शनिवार को ऊर्जा सचिव के रूप में क्रिस राइट को नामित किया। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'ऊर्जा मंत्री के रूप में, क्रिस एक प्रमुख नेता होंगे, जो नवाचार को आगे बढ़ाएंगे, लालफीताशाही को कम करेंगे और अमेरिकी समृद्धि और वैश्विक शांति के नए स्वर्ण युग की शुरुआत करेंगे।' गौरतलब है कि क्रिस राइट लिबर्टी एनर्जी के संस्थापक हैं। यह कंपनी ऊर्जा कंपनियों के लिए काम करती है और फ्रैकिंग तकनीक से तेल और गैस निकालने का व्यापार करती है। फ्रैकिंग तकनीक तेल और गैस उत्पादन की एक विधि है जिसमें भारी मात्रा में पानी - रेत और जहरीले रसायनों के साथ मिश्रण को उच्च दबाव में धरती की गहराई में फेंका जाता है। फ्रैकिंग जमीन के भीतर मौजूद चट्टान संरचनाओं को तोड़ती है। जिससे तेल और गैस निकलती है। फ्रैकिंग तकनीक को लेकर आरोप लगते हैं कि यह हमारी हवा, पानी और जलवायु को भी प्रदूषित करती है और वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर डालती है। ट्रंप द्वारा ऊर्जा मंत्री बनाए जाने के बाद राइट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए मेरा समर्पण दृढ़ है।

वंदे भारत ट्रेन में यात्री को परोसे गए सांभर में मिले कीड़े

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रेलवे ने इस वीडियो पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मामले की तत्काल जांच कराई गई

और फूड पैकेज डिंडीगुल स्टेशन पर एक स्वास्थ्य निरीक्षक को सौंप दिया गया। रेलवे ने बताया कि जांच में मालूम चला कि खाने के पैकेट के ढक्कन पर कीड़ा चिपक गया था। वंदे भारत एक्सप्रेस अक्सर फूड सर्विस को लेकर विवादों में रहा हैं। एक बार फिर इस ट्रेन में परोसे जाने वाले भोजन को लेकर चर्चा शुरू हो गई। दरअसल, एक यात्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस से सफर के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। इस वीडियो में यात्री को एल्युमिनियम कंटेनर में परोसे गए सांभर में कीड़ा तैरते हुए देखा गया। इस ट्रेन से तिरुनेलवेली से चेन्नई तक यात्रा करने वाले यात्रियों ने बताया कि ट्रेन सेवा अच्छी होने के बावजूद उसमें उपलब्ध कराया गया भोजन संतोषजनक नहीं था। वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे ने प्रतिक्रिया भी दी। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने ऐसा ही एक वीडियो साझा करते हुए जानना चाहा कि इस मुद्दे के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यात्रियों ने स्वच्छता और आईआरसीटीसी की जवाबदेही पर चिंता जताई है। इसे संबोधित करने और प्रीमियम ट्रेनों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?ठरेलवे ने इस वीडियो पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ठमामले की तत्काल जांच कराई गई और फूड पैकेज डिंडीगुल स्टेशन पर एक स्वास्थ्य निरीक्षक को सौंप दिया गया।ठ रेलवे ने बताया कि जांच में मालूम चला कि खाने के पैकेट के ढक्कन पर कीड़ा चिपक गया था। इस घटना को लेकर सेवा प्रदान करने वाले पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि रेलवे भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और यात्रियों की शिकायतों का तुरंत समाधान किया जा रहा है। हालांकि, यह वंदे भारत ट्रेन से इस तरह का यह पहला मामला सामने नहीं आया है। इससे पहले एक व्यक्ति के भोजन में कॉकरोज पाया गया था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। बता दें कि वंदे भारत ट्रेनें मध्यम दूरी की सुपरफास्ट एक्सप्रेस सेवा प्रदान करती है। यह सरकार की मेक इन इंडिया पहल का एक हिस्सा है।

'दुष्कर्म जैसे अपराधों की कार्यवाही रद्द करने से पहले कोर्ट समझौते परखें'; अदालत की अहम टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को वापस

हाईकोर्ट को भेज दिया। पीठ ने कहा कि कार्यवाही को रद्द करने का निर्णय और आदेश बरकरार नहीं रखा जा सकता।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म जैसे गैर-समझौते योग्य अपराधों की कार्यवाही को रद्द करने की याचिका पर विचार करने से पहले हाईकोर्ट को पीड़ित और आरोपी के बीच समझौते की वास्तविकता के बारे में खुद को संतुष्ट करना चाहिए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट के 29 सितंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ एक दुष्कर्म पीड़िता की याचिका को स्वीकार कर लिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को वापस हाईकोर्ट को भेज दिया। पीठ ने कहा कि कार्यवाही को रद्द करने का निर्णय और आदेश बरकरार नहीं रखा जा सकता। इस मामले में एक ही दिन दो हलफनामे दिए गए, जो हाईकोर्ट के लिए हलफनामों पर कार्रवाई करने से पहले बहुत सतर्क रहने का एक और कारण होना चाहिए था।पीठ ने कहा कि वास्तविक समझौते के अस्तित्व से अदालत के संतुष्ट हुए बिना कार्यवाही रद्द करने की याचिका आगे नहीं बढ़ सकती। पीठ ने कहा, यदि हाईकोर्ट पाता है कि वास्तव में अपीलकर्ता और दूसरे प्रतिवादी के बीच समझौता हुआ था, तो हाईकोर्ट को इस प्रश्न पर विचार करना होगा कि क्या सीआरपीसी की धारा 482 या संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत शक्ति का प्रयोग समझौते के आधार पर आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने के लिए किया जा सकता है। महिला हाईकोर्ट के उस आदेश से व्यथित थी, जिसमें आपराधिक कार्यवाही को इस निर्देश के साथ रद्द कर दिया गया था कि अत्याचार अधिनियम के तहत अपीलकर्ता की ओर से प्राप्त मुआवजा संबंधित अथॉरिटी को वापस किया जाना चाहिए।

मणिपुर सरकार ने जनहित में की एएफएसपीए हटाने की सिफारिश केंद्र से समीक्षा की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मणिपुर सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा कुछ हिंसा प्रभावित इलाकों में एफएसपीए लागू करने के निर्णय की समीक्षा कर उसे हटाने की मांग की है। 14

नवंबर को केंद्र द्वारा लागू किए गए एफएसपीए के इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की हैं। मणिपुर में हिंसा के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कुछ राज्यों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम लागू किया गया था। जिसको लेकर मणिपुर सरकार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि राज्य के छह पुलिस थाना क्षेत्रों से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम की समीक्षा की जाए और उसे वापस लिया जाए। बता दें कि इस मामले में राज्य सरकार ने तर्क दिया है कि 15 नवंबर को हुई मंत्रिमंडल बैठक में यह फैसला लिया गया कि ईएईं को लागू करने पर पुनर्विचार किया जाए। केंद्र ने 14 नवंबर को मणिपुर के कुछ हिंसा प्रभावित क्षेत्र जैसे कि इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, कांगपोकपी और जिरीबाम जिले शामिल हैं इनमे मेंईएईं फिर से लागू किया था। अब राज्य सरकार ने इसे जनहित में हटाने की सिफारिश की है। जिसको लेकर गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने केंद्र को लिखे पत्र में बताया कि मणिपुर सरकार ने 15 नवंबर को अपनी बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की और केंद्र से को फिर से लागू करने की समीक्षा करने का निर्णय लिया। बढ़ते हिंसा के स्वरुप को देखते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर पोस्ट कर अपना दुख जताया हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और लगातार हो रहे रक्तपात ने गहरी चिंता पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि एक साल से अधिक समय तक विभाजन और पीड़ा के बाद, हर भारतीय की यह आशा थी कि केंद्र और राज्य सरकारें सुलह के लिए हर संभव प्रयास करेंगी और कोई समाधान निकालेंगी।

राहुल गांधी बोले- विचलित करने वाले हालात; राज्य का दौरा करें पीएम मोदी, शांति बहाली की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मणिपुर। मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांदी ने पीएम मोदी से एक बार फिर राज्य का दौरा करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर मणिपुर का दौरा करने और क्षेत्र में शांति और सुधार की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं।मणिपुर में एक साल से ज्यादा समय से चल रहे हिंसा का भयावह रूप आज भी देखने को मिल रहा है। इसी बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों विचलित करने वाले हालात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य का दौरा करने और क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। बता दें कि पिछले साल मई से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है।बता दें कि बीते दिनों मणिपुर में लापता छह लोगों में से तीन के शव नदी से निकाले जाने के एक दिन बाद शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवासों पर हमला किया। हमले के बाद राज्य सरकार ने कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने के अलावा पांच जिलों में

अनिश्चित काल के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी।राहुल गांधी ने आगे पीएम मोदी कहा कि मैं प्रधानमंत्री से एक बार फिर मणिपुर का दौरा करने और क्षेत्र में शांति और सुधार की दिशा में काम करने का आग्रह करता हूं। बता दें कि इंफाल में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दामाद सहित तीन विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की और उनकी संपत्तियों को आग लगा दी, जबकि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।कांग्रेस दिग्गज नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों की घटनाएं बेहद परेशान करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि एक साल से अधिक समय तक विभाजन और पीड़ा के बाद हर भारतीय को उम्मीद थी कि केंद्र और राज्य सरकारें सुलह के लिए हर संभव प्रयास करेंगी और समाधान निकालेंगी।

हाईकोर्ट ने कहा- विदेशी कंपनियों को भारत में सर्वे से पहले केंद्र सरकार की अनुमति लेना जरूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

केरल। केरल हाईकोर्ट ने 2010 में तिरुवनंतपुरम में सर्वेक्षण करने के लिए एक भारतीय कंपनी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। पुलिस के अनुसार सर्वेक्षण का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना था। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी या संगठन को भारत में सर्वे से पहले केंद्र सरकार की अनुमति लेना जरूरी है। हाईकोर्ट ने 2010 में तिरुवनंतपुरम में सर्वेक्षण करने के लिए एक भारतीय कंपनी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। पुलिस के अनुसार सर्वेक्षण का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना था। भारतीय कंपनी टेलर नेल्सन सोफ्रेस (टीएनएस) पीएलसी ने यह सर्वे अमेरिका स्थित प्रिंसटन सर्वे रिसर्च एसोसिएट्स (पीएसआरए) के लिए किया था।जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने भारतीय कंपनी की उसके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की याचिका खारिज करते हुए कहा,

यदि इस तरह के सर्वेक्षण जारी रहने दिए गए तो वे हमारे देश की सुरक्षा और सबसे महत्वपूर्ण रूप से धार्मिक सद्भाव को प्रभावित करेंगे। यह हैरानी की बात है कि एक विदेशी कंपनी भारत सरकार से अनुमति लिए बगैर सर्वे करा रही थी। लोगों से संदिग्ध सवाल पूछे जा रहे थे। अपने 4 नवंबर के फैसले में हाईकोर्ट ने सर्वेक्षण को संदिग्ध करार देते हुए कहा कि अभियोजक के तर्क में दम है कि अगर संपूर्ण प्रश्नावली का अध्ययन किया गया तो यह न सिर्फ संवेदनशील और आपत्तिजनक है, बल्कि सर्वेक्षण के उद्देश्य पर भी संदेह पैदा करता है।अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। यदि इस तरह के सर्वेक्षणों के माध्यम से हमारे देश की अखंडता को नुकसान पहुंचाने की कोई मंशा है, तो कानून के अनुसार उचित कदम उठाए जाने चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य पुलिस की जांच पर्याप्त नहीं है। उसने जांच अधिकारी को मामले में अब तक की गई जांच के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे और यदि आवश्यक हो तो कानून के अनुसार आगे की जांच का आदेश देंगे। पुलिस ने अदालत को बताया कि उसकी जांच से पता चला है कि एक हानिरहित सर्वेक्षण के नाम पर, उन्होंने एक विशेष धार्मिक पृष्ठभूमि से संबंधित लोगों का साक्षात्कार करने के लिए भारत में अत्यधिक संवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों का चयन किया।

एक पेड़ मां के नामः एक अरब पेड़ लगाए जाने पर पीएम मोदी ने व्यक्त किया आभार, अधिक पौधारोपण का किया आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक अरब से ज्यादा पेड़ लगाए जाने पर लोगों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने और एक स्थायी ग्रह में योगदान देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक अरब से ज्यादा पेड़ लगाए जाने अवसर पर इस अभियान में भाग लेने

वाले लोगों का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों से माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने और एक स्थायी ग्रह में योगदान देने का आग्रह किया। बता दें कि 5 जून 2024 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा माताओं के सम्मान और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया था। जिसके लिए उन्होंने लोगों से एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था। शनिवार को पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि इस अभियान के तहत एक अरब पेड़ लगाए जा चुके है और अभी भी गिनती जारी है। अभियान की कामियाबी पर पीएम मोदी ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा एक पेड़ मां के नाम को गति देने वाले सभी लोगों का आभार और अधिक से अधिक लोगों से अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने और एक स्थायी ग्रह में योगदान देने का आग्रह करता हूं। बता दें कि पीएम मोदी की ये पोस्ट पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की उस पोस्ट के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने कहा था 1 अरब पेड़ और गिनती जारी है! 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम अभियान एक बड़े मील के पत्थर पर पहुंच गया है।इसके साथ ही मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि हरित भारत के निर्माण की दिशा में अभियान की आश्चर्यजनक सफलता अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों पर प्रगति के लिए देश के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर इस अभियान में लाखों भारतीयों की जनभागीदारी दर्शाती है कि भारत किस तरह प्रकृति के साथ एकता के सिद्धांत पर चलता है। आइए पौधे लगाते रहें। सभी को बधाई।

चुराचांदपुर लाए गए मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों के शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मणिपुर के जिरिबाम शहर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों के शव शनिवार को असम से एयरलिफ्ट कर मणिपुर के चुराचांदपुर लाए गए। इन शवों का पोस्टमार्टम असम में किया गया था। मणिपुर के जिरिबाम शहर में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों के शव शनिवार को असम के सिल्चर शहर से एयरलिफ्ट कर चुराचांदपुर लाए गए। इन शवों का पोस्टमार्टम असम में किया गया। इससे पहले दोपहर में सिल्चर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) के बाहर शवों को लेकर मृतकों के परिजनों और पुलिस के बीच झड़प हुई। परिजनों शवों को उनके हवाले करने की मांग कर रहे थे। इस पर पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। असम पुलिस के अधिकारियों ने परिजनों को समझाने-बुझाने की कोशिश की कि शव मणिपुर पुलिस को सौंपे जाएंगे और वह इस मामले को वहां के स्थानीय अधिकारियों के सामने उठाएं।

हमें एक ब्रिटिश ट्रंप की जरूरत है ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस का बड़ा बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने कहा कि उनके देश में बदलाव लाने के लिए अब एक ऐसे

नेता की जरूरत है, जो वहां की प्रणाली में बदलाव ला सके और इसके लिए खुद भी आग में उंगलियां डालने के लिए तैयार रहे। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने शनिवार को कहा कि उनके देश की नौकरशाही में सबसे अच्छे सुधार के लिए अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की तरह एक बड़े आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन को 'ब्रिटिश ट्रंप' की जरूरत है। लेकिन सवाल यह है कि वह कौन व्यक्ति हो सकता है। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत और ब्रिटेन के संबंधों पर ट्रस ने कहा कि इस समय संबंध बहुत सकारात्मक हैं और दोनों देशों के लिए व्यापार, रक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में बहुत बड़े अवसर हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और ब्रिटेन के बीच जल्द मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हो जाएगा। ट्रस ने यह भी कहा कि भारत को वैश्विक राजनीतिक में नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, क्योंकि यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ट्रस ने कहा कि क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का समूह) में भारत की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

अजित पवार के बयान का भाजपा महासचिव ने किया बचाव, कहा- गठबंधन में हर दल की अपनी अलग भाषा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं, सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।महाराष्ट्र चुनाव में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान

को लेकर बवाल मचा है। महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में भी 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे को लेकर असहमति है। पिछले दिनों गठबंधन में शामिल एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने योगी के बयान पर आपत्ति जताई थी। अजित पवार के बयान का भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन में शामिल हर दल की अपनी अलग भाषा और वोट बैंक है। राजनीतिक दल उस भाषा में बात करते हैं जो उनके समर्थकों को पसंद है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि जब भी कोई गठबंधन तैयार होता है तो उसके कुछ साझा कार्यक्रम होते हैं। अजित पवार ने जो भी कुछ कहा वह उनके दृष्टिकोण और वोट बैंक के मुताबिक हो सकता है। महायुति में हर पार्टी भाजपा, शिवसेना और एनसीपी का अपना वोट बैंक और वह ऐसी भाषा में बात करते हैं जो उसके समर्थकों को पसंद हो। तावड़े ने कहा कि मुझे लगता है नारा केवल एक तथ्य है। अगर एकजुट नहीं है तो सुरक्षित नहीं रहेंगे। इसलिए मैं प्रधानमंत्री की बात से सहमत हूं।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

श्रीयंत्र की रथयात्रा पहुंची प्रयागराज, वैदिक आचार्यों ने पूजा-आरती कर अयोध्या के लिए किया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यह यंत्र आंध्रप्रदेश से एक विशेष रथ में यात्रा करते मध्य कई राज्यों से होते हुए प्रयागराज पहुंचा है। इस रथ का स्वरूप किसी मंदिर से कम नहीं है, जिसमें श्री यंत्र को कामकोटि पीठ के 70वें पीठाधिपति, जगद्गुरु स्वामी विजयेंद्र के मार्गदर्शन में तैयार किया गया

प्रदेश समेत कई राज्यों से होते हुए प्रयागराज पहुंचा है। इस रथ का स्वरूप किसी मंदिर से कम नहीं है, जिसमें श्री कांची कामकोटि पीठ का स्वरूप दर्शाया गया है। संगमनगरी प्रयागराज में एक विशेष धार्मिक आयोजन के तहत 180 किलो वजनी, गोल्ड प्लेटेड श्रीराम यंत्र पहुंचा है, जिसे अष्टधातु से बनाया गया है। यह यंत्र आंध्रप्रदेश से एक विशेष रथ में यात्रा करते मध्य प्रदेश समेत कांची कामकोटि पीठ का स्वरूप दर्शाया गया है। रथ के अंदर जगद्गुरु के चित्र और माता कामाक्षी देवी की प्रतिष्ठा की गई है और उनके समक्ष श्रीराम यंत्र रखा गया है। इस यात्रा के मुख्य पुजारी स्वामी रामचंद्रन महाराज ने बताया कि यह यात्रा पांच राज्यों से होते हुए संगमनगरी तक पहुंची। यंत्र में श्रीराम बीज मंत्र लिखा गया है और इसके चारों ओर देवी-देवताओं के मंत्रों से युक्त है। है। श्रीराम यंत्र की विशेषता यह है कि यह यंत्र प्रयागराज होते हुए अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर जाएगा। वहां 1200 से अधिक वैदिक ऋत्विकों द्वारा सहस्त्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ और अनुष्ठान 45 दिनों तक आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद इस महायंत्र को भगवान के मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा। श्रीराम यंत्र के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

डिप्टी सीएम ने सीएम योगी के बयान से किया किनारा, बोले - बंटोगे तो कटोगे यह बीजेपी का नारा नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बंटोगे तो कटोगे यह बीजेपी का नारा नहीं है। बीजेपी का नारा सबका साथ प्रयागराज पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी के यहां आयोजित भंडारे में हिस्सा लिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा

सबका विकास और एक रहोगे तो सेफ रहोगे है। यही नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटोगे तो कटोगे का नारा किस संदर्भ में दिया है यह हम नहीं बता सकते। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बंटोगे तो कटोगे यह बीजेपी का नारा नहीं है। बीजेपी का नारा सबका साथ सबका विकास और एक रहोगे तो सेफ रहोगे है। यही नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटोगे तो कटोगे का नारा किस संदर्भ में दिया है यह हम नहीं बता सकते शनिवार को देर शाम कि समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी बन रही है। सपा को या अखिलेश यादव को युवाओं के बारे में या परीक्षाओं और भर्ती के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने अपने कार्यकाल में युवाओं के साथ बहुत अन्याय किया है। केशव मौर्य ने कहा कि बीजेपी यूपी उप चुनाव में सभी सीटें जीतने जा रही है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा का नारा सबका साथ सबका विकास है। भाजपा का जो नारा होता है वह अलग होता है। सपा का सूर्य अस्त हो चुका है। उनकी साइकिल पंक्चर हो गई है। सपा को वोट देने का मतलब अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना है।

मंत्री नंदी के अकाउंटेंट से ठगी की रकम से की गई क्रिप्टो करेंसी की खरीदारी, पुलिस की टीमें गठित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। जांच में पता चला कि शुरुआती तीन खातों से आगे ठगी खाता धारकों को पुलिस ने अपनी सूची में शामिल कर लिया है। अब तक ठगी की रकम 2.08 करोड़ तीन खाते ऐसे हैं, जिनसे क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि अब

रकम को कई खातों में ट्रांसफर किया गया है। इन्हीं में से दो से तीन खाते ऐसे हैं, जिनसे क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि अब तक लगभग 100 बैंक खाते सामने आ चुके हैं, जिनमें ठगी के पैसों को भेजा गया है। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे की व्हाट्सएप पर तस्वीर लगाकर 2.08 करोड़ ठगी का मामला उलझता जा रहा है। जांच में पता चला कि इस रकम में से कुछ रुपयों का इस्तेमाल बेंगलूरू में क्रिप्टो करेंसी की खरीदने में किया गया है, हालांकि पुलिस पता कर रही है कि कितने पैसों से क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है।जिन खातों से खरीदारी की गई है उन रुपये को 100 से अधिक खातों में ट्रांसफर किया जा चुका है पुलिस इन खातों का सत्यापन करवाने में जुटी है। आशंका है कि इनमें से कुछ खाते ऐसे भी हो सकते हैं, जो सिर्फ पुलिस को गुमराह करने के लिए भोले-भाले लोगों के खाते में पैसा भिजवाया गया है। केस को सुलझाने के लिए साइबर पुलिस की तीन टीमें लगी हुई हैं। वहीं, गोरखपुर में पान मसाला बनाने वाली कंपनी के मालिक की डीपी लगाकर जीएम से 2.17 करोड़ की ठगी का मामले को भी पुलिस जोड़कर देख रही है।जांच में पता चला कि शुरुआती तीन खातों से आगे ठगी रकम को कई खातों में ट्रांसफर किया गया है। इन्हीं में से दो से तक लगभग 100 बैंक खाते सामने आ चुके हैं, जिनमें ठगी के पैसों को भेजा गया है। साथ ही तीन टीमें भी अलग-अलग राज्यों में रवाना की गई है। जल्द ही ठगों का पता लगा लिया जाएगा यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी एक डिजिटल मुद्रा (क्रिप्टो करेंसी) है। इसकी कीमत अमेरिकी डॉलर के लगभग बराबर है। क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के जरिये खरीदा जा सकता है। ऐसे कई एप हैं, जिसके माध्यम से लेनदेन हो रहा है। एक बार पैसा क्रिप्टो करेंसी में बदल जाता है, तो इसे कई खातों और वॉलेट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसे ट्रैक करना और रिकवर करना बेहद मुश्किल है।

प्रदेश आस/पास

भारत

सेक्टर 17ए में 16 नवंबर से राम कथा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 17ए के निवासियों द्वारा 16 नवंबर से भव्य राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। जो पूरी तरह से स्वैच्छिक योगदान से संपन्न हो रहा है। इस आयोजन बच्चों के साथ-साथ, कार्यकर्ता परिवारों के बच्चे भी शामिल हैं। वे रामायण पर आधारित भजन और नृत्य प्रस्तुत कर रहे हैं और हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ कर कार्यक्रम में भक्ति का माहौल बना

में सभी आयु वर्ग के लोग तन, मन और धन से सहयोग कर रहे हैं, और हर कोई उत्साह के साथ अपनी सेवाएं दे रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई है, जिससे पूरे क्षेत्र में सामूहिकता और समर्पण की अद्भुत मिसाल देखने को मिल रही है। कथावाचक अजय यज्ञनिक जी अपने प्रेरणादायक प्रवचनों के साथ रामायण की कथा सुना रहे हैं, जो श्रद्धालुओं को भक्ति और आदर्शों से प्रेरित कर रही है। खास बात यह है कि इस कार्यक्रम में बच्चों का विशेष योगदान है। बच्चों के समूह में क्षेत्र के निवासी रहे हैं। बुजुर्ग निवासियों ने भी स्वागत, प्रसाद वितरण, भोजन व्यवस्था और सजावट जैसे कार्यों में अपनी सेवाएं दी हैं। आयोजन स्थल की सजावट, प्रसाद पैकेजिंग, सफाई व्यवस्था, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों और वयस्कों की एकजुटता देखने लायक है। यह आयोजन क्षेत्र के निवासियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुका है, जिसमें बिना किसी बाहरी सहायता के, केवल सामूहिक योगदान और समर्पण की भावना से यह धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

नेकी का डिब्बा फाउंडेशन ने जरूरत मंद लोगों को भोजन कराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर, नेकी का डब्बा फाउंडेशन के हीरोज ने एक बार फिर से अपनी अनूठी मुहिम ठनेकी का दोना-पत्तलठ के भोजन कराने का एक अनोखा प्रयास है। कार्यक्रम में पर्यावरण का विशेष ध्यान रखा जाता इसलिए प्लास्टिक/थर्माकोल के बजाय पर्यावरण अनुकूल सामग्री का उपयोग किया जाता है।

माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा की। इस कार्यक्रम में लगभग 300 जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। संयोजिका उर्वशी मसंद ने बताया कि यह पहल कई वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित है। संस्था ने उतरन से प्रेरणा लेते हुए इस मुहिम को प्रारंभ किया। संस्था के फाउंडर मेंबर्स ने कुछ वर्ष पूर्व सेवा बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को भोजन कराने का संकल्प लिया, जिसे ठनेकी का दोना-पत्तलठ नाम दिया गया। यह मुहिम भूखे को फाउंडर गिरीश चन्द्र शुक्ला ने बताया कि यह पहल लोगों को प्रेरित कर रही है जिससे अब लोग अपने जन्मदिन और वर्षगांठ जैसे विशेष अवसरों पर जरूरतमंदों के बीच जाकर खुशियां साझा करने लगे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उर्वशी मसंद, नरेंद्र पाल सिंह, नीरज मिश्रा, रजत अग्रवाल, डी एन सेठ, कैप्टन पी एन राय, हर्षवर्धन मिश्रा, सावित्री चौधरी, कमल किशोर, संगीता, और गिरीश चन्द्र शुक्ला इत्यादि मौजूद रहे।

बोले- हत्यारों को 6 माह में हो सजा, बहनें आईएएस बनें; मैं उठाऊंगा पढ़ाई का खर्च

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की हत्या के 14 दिन बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह परिजनों से मिलने घर पहुंचे। उन्होंने एक लाख की आर्थिक सहायता देने के साथ ही दोनों बहनों की पढ़ाई का खर्च उठाने का एलान भी किया। जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में बीते 30 अक्तूबर को जमीनी विवाद को लेकर हुई तलवार से गर्दन काटकर ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की हत्या के 14 दिन बाद शनिवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह उसके घर पहुंचे। पूर्व सांसद ने अनुराग के पिता रामजीत यादव एवं दोनों बहनें स्वाती और आराधना को ढांढस बंधाया। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वे मृतक अनुराग के परिजनों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने परिजनों को एक लाख रुपये का चेक देकर आर्थिक सहायता दी। पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वह परिजनों के साथ हैं। अनुराग की दोनों बहनों की पूरी शिक्षा दीक्षा का खर्चा उन्होंने उठा लिया है। बहुत जल्द ही वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से परिजनों की मुलाकात कराएंगे। उन्होंने घटना की घोर निंदा की और कहा कि यदि राजस्व विभाग पहले से ही इस मामले को गंभीरता से लेता तो शायद इस होनहार खिलाड़ी की हत्या नहीं होती।

एसोटेक विंडसर कोर्ट, सेक्टर 78 में सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। एसोटेक विंडसर कोर्ट, सेक्टर 78 निवासियों द्वारा में सोसाइटी में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया किया। पाठ के दौरान श्री नारायण सेवा ट्रस्ट (ग़ाज़ियाबाद) द्वारा भक्तिरस से ओतप्रोत भजनों से सभी निवासियो व वातावरण आनंदित बनाया। सुंदरकांड पाठ के पश्चात हनुमान जी की आरती कर सभी की सुख-समृद्धि और आनंद की कामना की। इसके बाद सभी भक्तजानों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम में आकांक्षा गोयल, सुनीता गुप्ता, सौम्या चौधरी, नविता गुरबानी, ज्योति देवपुरा, रिचा अग्रवाल, शिखा जिंदल, रचना वत्स, सोनल मित्तल, प्रिंसी, अंजलि जिंदल, चाँदनी चौधरी, रेणु चौधरी, राशि गुप्ता, स्वाति अग्रवाल, हमांशी गुप्ता, संतोष रानी व अन्य निवासी सम्मिलित थे।

बच्चा चोरी गैंग से दहशत में नगरवासी- राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद सोनभद्र सहित उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में सक्रिय बच्चा चोरी करने वाले गैंग के विरुद्ध गिरफ्तारी और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखा है।मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने मांग किया है कि जब जनपद सोनभद्र की पुलिस और जिला प्रशासन इस बात को स्वीकार कर रहा है कि नगर के बीचों बीच एक ऐसी बस्ती है जहां अपराधियों का बसेरा है और वहीं से अपराधी निकल कर नगरवासियों के साथ अपराधिक कृत्य को आए दिन अंजाम देते हैं तो ऐसे में अपराधियों को आश्रय देने वाली ऐसी बस्ती में तलाशी अभियान करके अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी और कठोर कारवाई की आवश्यकता है। श्री मिश्र ने पत्र में लिखा है कि अभी हाल में ही नगर के अशोक नगर वार्ड से चोरी दो साल की बच्ची को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी के बारह घंटे के भीतर बरामद कर लिया और जो लोग बच्चा चोरी में पकड़े गए हैं वो नगर के बीच मुख्यालय के पास सर्किट हाउस के सामने घसिया बस्ती में ही रहने वाले है। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि उक्त बस्ती अपराधियों का ठिकाना बन चुका है। श्री मिश्र ने पत्र में मांग की है कि जल्द से जल्द इस पर ठोस रणनीति बनाकर करवाई की जाए अन्यथा यदि जल्द इस पर सार्थक कारवाई नही हुई तो किसी दिन बड़ी अपराधिक घटना के शिकार नगर वासी हो सकते हैं जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सोनभद्र पुलिस की होगी।

बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति उन्नमूलन अभियान बच्चों के जीवन को संवारने का अभियान- रामजी यादव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के संयुक्त टीम द्वारा थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत महुआरी,तेन्दू कस्बा, सहित विभिन्न स्थानो पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षावृत्ति,बाल श्रम रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया गया। बाल श्रमिकों को विभिन्न कार्य में नियोजित नहीं करने से संबंधित जन जागरूकता के लिए संयुक्त टीम द्वारा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। सभी दुकानदारों से बाल श्रमिकों को नियोजित नहीं करने की शपथ ली। दुकानदार एवं नियोजक को यह निर्देश दिया कि वह अपनी दुकान-होटल में किसी भी बाल श्रमिक को नियोजित नहीं करें तथा प्रतिष्ठान में बाल श्रम मुक्त होने का बोर्ड लगाएंगे। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि इस अभियान के तहत ऐसे बच्चों की खोज की जा रही है जो मजबूरीवश या किसी अन्य कारणों से सड़क पर भीख मांग रहे हैं या किसी दुकान व अन्य वाणिज्यक प्रतिष्ठान में मजदूरी कर रहे हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि संयुक्त टीम द्वारा आम जन-मानस को जागरुक किया जा रहा हैं कि बच्चों को भिक्षा नहीं शिक्षा दें एवं बाल श्रम न कराए। सीमा शर्मा द्वारा बताया गया कि बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर (1098) पर काल करके जानकारी लिया जा सकता हैं। टीम मे जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ डब्ल्यू शेषमणि दुबे, चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट से केसवर्कर सीमा शर्मा, सुपरवाईजरी सत्यम चौरसिया, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव,मुख्य आरक्षी धनंजय यादव उपस्थित रहे।

आदिवासीनायक धरती आबा बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दिनांक 15, 11,24 को देर रात अमर शहीद स्वतंत्रता

सेनानी बिरसा मुंडा का जन्मदिन धूमधाम से सोनभद्र के मधुपुर ग्राम सभा लोहार गुलहरवो गांव में मनाया गया मुख्यअतिथि के रूप में सांसद छोटेलाल खरवार व विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष डाँदलोकपती सिह पटले उपस्थित रहे और ब्लॉक प्रमुख कर्म श्रीमती सीमा कोल एव भागीरथी मौर्य,मनोज कुशवाहा, वासुदेव कोल,राजेश गोड लाल बहादुर पाल,एवं कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के आयोजक गुलाब देशमुख के ने किया इस मौके पर सासद छोटेलाल खरवार ने आदिवासियों कि भागीदारी एवं हिस्सेदारी की बात की वही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डाँ लोकपति सिह पेटल ने विस्तार पूर्वक धरती आबा बिरसा मुंडा के किए गए संघर्षो एवं अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों पर हुए अत्याचारी की बात की साथ ही वर्तमान समय में सत्ता में बैठे लोग किस प्रकार से आदिवासियों के जल जंगल जीवन एवं खनिज संपदा को पूंजी पतियों के हाथों के बांट रहे हैं इस पर विचार विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी एवं आदिवासी वनवासियों के आर्थिक सामाजिक स्थिति को सुधारने के लिए उन्हें शासन में बैठे लोगों को वह महंगे शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की बात कही और आदिवासियों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष अवसर प्रदान करने व मुख्य धारा से जोड़ने की बात कही

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में दिक्कत आए तो डायल करें 1950

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को बूथों पर विशेष कैंप

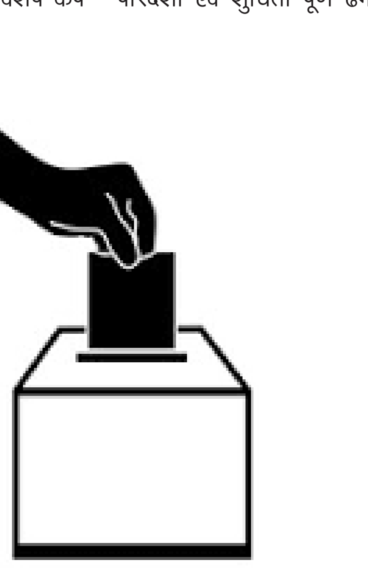

लगाया गया। बीएलओ ने नाम जोड़ने, काटने और संशोधन के लिए आवेदन लिए। मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व रोल ऑब्जर्वर के साथ संवाद कर त्रुटिपूर्ण मतदाता सूची तैयार करने में सहयोग की अपील की।

मंडलायुक्त डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. ने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी एवं शुचिता पूर्ण ढंग से तैयार किया जाना है। जिस किसी भी व्यक्ति का नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वह अपने बूथ पर 23 व 24 नवंबर को जाकर आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में किसी प्रकार की कोई समस्या होने पर टोल फ्री नंबर-1950 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।उन्होंने कहा कि अगर किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से काटने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम को रेंडम आधार पर बूथों का निरीक्षण करने को कहा। बैठक में डीएम बद्रीनाथ सिंह, सीडीओ जागृति अवस्थी, एडीएम सहदेव कुमार मिश्र, एएसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे एसडीएम कोर्ट का मंडलायुक्त ने किया निरीक्षण सोनभद्र। मंडलायुक्त डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. ने शनिवार को तहसील रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय उप जिलाधिकारी कक्ष का निरीक्षण किया। मुकदमों से संबंधित पत्रावलियों व रजिस्टर को देखा। एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि 05 वर्ष से अधिक समय से लंबित मुकदमों का प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर निस्तारित करें। कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका, चरित्र पंजिका आदि रिकॉर्ड को भी देखा। तहसील के अभिलेखागार के पत्रावलियों के रख-रखाव की स्थिति का जायजा लेते हुए जमीन से जुड़े मामले को स्थलीय जांच करते हुए निष्पक्ष रूप से कार्रवाई के निर्देश दिए।

कामरेड रामसुमेर सिंह का मना 33 वीं शहादत दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कामरेड एस पी आर्य और कामरेड रामसुमेर सिंह का 33 वीं शहादत दिवस ग्राम बुड़हर कला के जल निगम हिन्दुआरी पुल के पास बगीचे में शहादत स्थल पर का. भोला सिंह के अध्यक्षता फहरा कर शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित कर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी मनाया गया। जहां उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों ने शहीद कामरेडों के संघर्षों को याद करते हुए वर्तमान मोदी सरकार और योगी सरकार के जन विरोधी

में मनाया गया । सोनभद्र : रॉबर्ट्सगंज शनिवार को दोपहर बारह बजे से हिन्दुआरी पुल के पास जल निगम बगीचे में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा , के ब्रांच हिन्दुआरी के नेतृत्व में ओर कामरेड भोला सिंह के अध्यक्ष में कामरेड एस पी आर्य और कामरेड रामसुमेर सिंह का 33 वीं शहादत दिवस संयुक्त रूप से सीपीआईएम पार्टी के झंडा को नीतियों से चिंता व्यक्त करते हुए किसान मजदूर महिलाओं दलितों आदिवासियों अल्प संख्यकों एवं छात्रों के साथ हो रहे खिलवाड़ का निंदा कर जिले में बड़ा आंदोलन पर विचार किया गया। कार्य क्रम में का . प्रेमनाथ , छबीनाथ पुरुषोत्तम , लल्लन राम , चतुरी प्रसाद हनुमान प्रसाद , भोला सिंह , डॉ. फौजदार के साथ जिला मंत्री नन्दलाल आर्य भी मौजूद रहे।

छह दोषियों को 3-3 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। साढ़े दस वर्ष पूर्व हुई मारपीट के मामले में शनिवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश रविंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर छह दोषियों को 3-3 वर्ष की कैद व प्रत्येक पर साढ़े छह हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियुक्तगणों की जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक घोरावल थाना क्षेत्र के तेंदुआ गांव निवासी रामजी सिंह ने घोरावल थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 15 जून 2014 को सुबह 8 बजे चचेरे भाई जुगत नरायन के पुरानी रंजिश को लेकर महेंद्र सिंह पुत्र हनुमान रास्ते में गाली गलौच देने लगे। जब उसने गाली देने से मना किया तो वीरेंद्र सिंह पुत्र हनुमान सभी लोग लाठी डंडे से मारने पीटने लगे।उसके चिल्लाने पर शोरगुल की आवाज सुनकर परिवार के महिपत, विनय, नवलकिशोर, पन्नालाल, संतोष, पंचम,रामजी, राजनारायण बीच बचाव करने आए तो अभियुक्तगण सूरज सिंह, अंगद,सूचित व छोटे द्वारा सभी को मारापीटा गया, जिससे उनलोगों को चोटें आई हैं। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में जुगतनरायन पुत्र धर्मजीत निवासी तेंदुआ, वीरेंद्र सिंह व महेंद्र प्रताप सिंह पुत्रगण हनुमान सिंह, सूचित पुत्र झुल्लूर सिंह, सूरज सिंह पुत्र अंगद सिंह व छोटे पुत्र राजनारायण के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषियों जुगतनरायन, वीरेंद्र सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह,सूचित, सूरज सिंह व छोटे को 3-3 वर्ष की कैद एवं प्रत्येक पर साढ़े छह हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो-दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने बहस की।

रेलिंग तोड़कर खाई में गिरी डीसीएम चालक की मौत; वाहन में लदा था लाखों रुपये का सामान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर चोपन थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों की सहायता से मृतक चालक की डेड बॉडी को घाटी से निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम में भेजने के साथ ही परिजनों को सूचना दे दी गई थी सोनभद्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर चोपन थाना क्षेत्र के मारकुण्डी घाटी में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। परचून का सामान लेकर वाराणसी से रेनुकूट जा रही डीसीएम (छोटा ट्रक) अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लाखों रुपये का सामान घाटी में बिखर गया। डीसीएम चालक की पहचान मिर्जापुर के जमालपुर डोहरी निवासी मोहम्मद खलील अली (55) के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वाहन मारकुण्डी घाटी के तीसरे मोड़ पर संतुलन खो बैठा और गहरी खाई में जा गिरा।घटना की सूचना मिलते ही हाइवे पेट्रोलिंग अधिकारी शिवम द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर चोपन थाना को सूचित किया। चोपन थाना के उपनिरीक्षक मेराज खान ने शव को बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक चालक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद वे मौके पर पहुंच गए। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है।

संतोदय सत्संग परिवार के वार्षिक संत समागम में कहा, सद्गुरु की शरण में आने के बाद कुछ पाना शेष नहीं रह जाता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। संतोदय सत्संग परिवार के शुक्रवार को हुए समागम ने सांसारिक उलझनों के बीच फंसकर

अशांत और असंतुष्ट होते मानव जीवन को इनसे उबरने की राह दिखाई। सांसारिक रीति को निभाते हुए सत्य और परमार्थ से प्रीति कैसे बढ़े, संतोष और संतुष्टि कैसे मिले, इसके रहस्य बताए। आचार्य स्वामी सत्येन्द्र कुमार सरस्वती महाराज ने कहा कि सद्गुरु की शरण में आने के बाद कुछ पाना शेष नहीं रह जाता। यह शरणागति मानव जीवन के सभी संशयों को पल भर में समाप्त कर उसे उसके वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। वास्तविक स्वरूप का बोध हो जाने पर संसार में आसक्ति नहीं रह जाती और वह अपने सद्गुरु देव भगवान की दया-कृपा के अधीन हो जाता है। हर स्थिति, परिस्थिति को वह प्रभु परमात्मा का प्रसाद समझकर उसे सहज भाव से स्वीकार करता है। तब वह कर्ता नहीं रह जाता। उसकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं रह जाती। परमात्मा की चाह को वह अपनी चाह बना लेता है। ऐसा होने पर सहज ही संतोष और संतुष्टि की अनुभूति होने लगती है। संतोष ही सुख का आधार है। उसकी रहनी और जीवनी को प्रभु स्वयं संवारते हैं।यह संसार से विरक्ति का मार्ग नहीं बल्कि संसार में रहते हुए संसार की नश्वरता और आत्मरूपी जीव की अमरता को समझने का मार्ग है, जो परम तत्व से आपको परिचित कराता है। इन सबका मूल सद्गुरु देव भगवान की दया-कृपा ही है। उनकी दया-कृपा हो जाए तो फिर कभी किसी की आधीनता की जरूरत नहीं रह जाती। सबसे बड़ी बात यह कि परम पूज्य सद्गुरु देव भगवान की दया-कृपा सबको समान रूप से सहज और सुलभ है, बस उनके सन्मुख होने की देर है। वह तो परम दयालु हैं। सद्गुरु की दया-कृपा होने पर ही सत्संग सुलभ होता है। सत्संग ही सुमंगल का हेतु है। कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रह्म नगर स्थित संत साहित्य कुटीर में हुए इस समागम का शुभारंभ संतोदय सत्संग परिवार के अधिष्ठाता परम संत सद्गुरु आचार्य प्रेमनाथ सरस्वती स्फोटायन जी महाराज और ब्रह्मलीन माता सरस्वती देवी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात आरती-पूजन हुआ और फिर भजन-प्रवचन की रसधार में श्रद्धालु देर रात तक आनंदित होते रहे। संत सच्चिदानंद जी महाराज के भावमय मधुर भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध नजर आए।समागम में जौनपुर, वाराणसी, चंदौली समेत आसपास के कई जिलों से श्रद्धालु शामिल हुए। अरदास और भंडारे के साथ समागम ने विराम लिया। संचालन संसप के जिला प्रमुख डॉ तारकेश्वर देव पांडेय ने किया। आयोजन में श्री संजय पाठक, शिवानंद तिवारी, राममूर्ति यादव, केशव सिंह, अनिल मिश्रा, कमलेश यादव, बावन साव, बचाऊ कौवाल, वीरेंद्र शंकर सिंह, कौशल द्विवेदी, रामचंद्र द्विवेदी, मंगला प्रसाद, हरि शंकर सिंह, निर्मला सिंह, शकुंतला सिंह, संतोष सिंह टुन्नू, गुरु भजन सिंह, रोशन सिंह, राजेश कुमार, अनूप कुमार राय, गंगा मास्टर समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

नशा मुक्ति को लेकर थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को दिलाई शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस द्वारा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को पुलिस

अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के दिशा निर्देश व सिटी सिओ डॉ चारु द्विवेदी के संरक्षण में कोतवाली पुलिस द्वारा खतौली ग्राम पंचायत में नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता करते हुए ग्रामीणों को दिलाई शपथ। थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार राय ने बताया कि आसपास थाने के युवाओं के संगत खराब होने की दिशा को लेकर बदलने की पहल पर विगत महीने से हर हफ्ते एक-एक गांव को चिन्हित करके नशा खोरी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है जिसमें गांव के गणमान्य लोग व गांव के प्रधान वही युवा महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है कि नशा व्यक्ति के शरीर को ही खत्म नहीं करता बल्कि घर परिवार बीवी बच्चे वह समाज गांव को भी खत्म कर देता है नशा ही एक ऐसा आप अभिशाप है जिस परिवार या जिस व्यक्ति के घर वह शराब पहुंच गया पूरा घर बेघर हो जाता है जिससे बचने के लिए अभी से हम आप मिलकर प्रयास करें और लोगों को भी इस अभियान से जोड़कर जागरूक करें और कहीं भी नशाखोरी संबंधित कुछ सूचना मिलती है तो पुलिस टोल फ्री नंबर पर सूचित करें जिससे कि संबंधित नशा खोरी में सन लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो सके इस मौके पर एस एस आई संजय सिंह, ,आर के शर्मा,रमेश गोंद ,सत्य प्रकाश यादव,नंदलाल आदि लोग ।

स्कूल के बाथरूम में कैमरा देख छात्राओं ने किया हंगामा, आरोपी किशोर पुलिस हिरासत में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र जिले में एक प्राइवेट स्कूल के बाथरूम में कैमरा के जरिए अपने मोबाइल से कनेक्ट किया था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। संबंधित तो कैमरा हटवा दिया गया। इसकी सूचना प्रधानाचार्य और पुलिस को दी गई। छात्राओं का

देख छात्राओं ने हंगामा किया। छात्राओं ने स्कूल के पास के एक घर के किशोर पर कैमरा लगाने का आरोप लगाया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी किशोर को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू किया। सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के एक निजी स्कूल में लड़कियों के बाथरूम से कैमरा पकड़ा गया है। इसकी जानकारी होने पर भड़की छात्राओं और अभिभावकों ने जमकर हंगामा किया। स्कूल के बगल में रहने वाले एक नाबालिग किशोर ने बाथरूम में कैमरा लगाया था और वाईफाई धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में स्थित विद्यालय में 12वीं तक की पढ़ाई होती है। इसमें छात्राओं की संख्या अधिक है। शनिवार को छात्राएं स्कूल के शौचालय की ओर गईं तो वहां उन्हें दिवार पर छोटा कैमरा लगा दिखा। शौचालय की दीवार पड़ोस में ही रहने वाले एक किशोर के घर से लगी है।छात्राओं का आरोप है कि उस लड़के ने ही शौचालय में दीवार में स्पाई कैमरा लगा दिया। जब उन्होंने हंगामा करना शुरू किया आरोप है कि किशोर ने स्पाई कैमरे के माध्यम से उनके वीडियो और फोटो लिए हैं। पुलिस के पहुंचने पर उसने डिलीट कर दिया। वहीं रॉबर्ट्सगंज कोतवाल सत्येंद्र राय ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया इस मामले में एएसपी कालू सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले नाबालिग किशोर पर कैमरा लगाने का आरोप है। कैमरे को उसने मोबाइल से कनेक्ट किया था। उसे हिरासत में ले लिया गया है। छात्राओं की तहरीर पर केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

स्पोर्ट्स

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को रौंदकर की वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, भारत को इतने अंतर से पछाड़ा

पर्थ टेस्ट से पहले भारत को बड़ा झटका, शुभमन गिल का पहला मैच खेलना मुश्किल, बाएं अंगूठे में लगी चोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शनिवार को इंट्रा स्क्वॉड मैच यानी भारतीय खिलाड़ियों द्वारा आपस में खेले जा रहे मैच में गिल पहला टेस्ट नहीं खेलते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम बहुत कमजोर हो जाएगा। इंट्रा-स्क्वाड मैच के दूसरे दिन फील्डिंग के दौरान गिल को किया जा सकता था। दूसरे दावेदार लोकेश राहुल को भी इंट्रा-स्क्वाड मैच के शुरुआती दिन प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद लगने के बाद कोहनी

के अंगूठे में चोट लगी थी। गिल भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत के युवा नायकों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। इंट्रा स्क्वॉड मैच के दौरान शुभमन गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। उनके पहले टेस्ट में नहीं खेलने की संभावना है। इससे भारत की समस्याएं और बढ़ गई हैं। भारतीय टीम पहले ही रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी से एक अच्छे ओपनर की कमी से जूझ रही है। रोहित फिलहाल भारत में हैं। अब शुभमन गिल के नहीं खेलने पर नंबर तीन स्थान भी खाली हो जाएगा। पर्थ में पहले टेस्ट की शुरुआत 22 नवंबर से होने जा रही है।शनिवार को इंट्रा स्क्वॉड मैच यानी भारतीय खिलाड़ियों द्वारा आपस में खेले जा रहे मैच में गिल के अंगूठे में चोट लगी थी। गिल भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत के युवा नायकों में से एक हैं। रोहित के बाद अगर गिल चोट लगी। उन्हें काफी दर्द में देखा गया और आगे के स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए।मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया है और टेस्ट शुरू होने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है। मैच के लिए उनका समय पर फिट होना लगभग असंभव होगा। अंगूठे के फ्रैक्चर को ठीक होने में आम तौर पर लगभग 14 दिन लगते हैं। उसके बाद ही किसी से नियमित नेट सत्र शुरू करने की उम्मीद की जाती है। चूंकि एडिलेड में दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू होगा। इसलिए संभावना बनी हुई है कि वह उस मैच के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।गिल की गैरमौजूदगी से भारतीय टीम मैनेजमेंट बड़ी परेशानी में होगा, क्योंकि रोहित की अनुपस्थिति में उन्हें यशस्वी जयसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए विचार में चोट लग गई थी और उन्हें मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैच के दूसरे दिन वह मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि, इसे एहतियात के तौर पर ज्यादा देखा जा रहा है।यदि गिल नहीं खेलते हैं, तो अभिमन्यु ईश्वरन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। भारत के पास बहुत ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। हालांकि, अगर कप्तान रोहित अगले दो दिन में ट्रेनिंग में शामिल हो जाते हैं तो यह एक अलग कहानी होगी। इंट्रा स्क्वॉड मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए रिजर्व खिलाड़ियों को छोड़कर भारत ए टीम भारत वापस आ जाएगी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए अपनी संबंधित राज्य टीमों में शामिल हो जाएगी। इसके बाद मुख्य टीम पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में जाएगी। शुक्रवार से शुरू होने वाले टेस्ट में जाने से पहले उनके पास मंगलवार से गुरुवार तक तीन नेट सत्र होंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे मोहम्मद शमी, दूसरे टेस्ट से पहले होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शमी पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके में टखने की सर्जरी हुई थी। शमी हाल ही में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पांचवें दौर के मुकाबले में खेले थे। शमी ने इस मैच से 360 दिनों के बाद मैदान पर वापसी की थी। बंगाल के लिए गावस्कर ट्रॉफी में जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। शमी ने ऑस्ट्रेलिया में आठ मैचों में 31 विकेट लिए हैं, लेकिन आगामी सीरीज के लिए भारत द्वारा घोषित टीम का हिस्सा नहीं थे।

बाद उनकी इस साल के शुरुआत में टखने की सर्जरी हुई थी। शमी हाल ही में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पांचवें दौर के मुकाबले में खेले थे। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। शमी को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, शमी निश्चित की दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे। शमी पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान वह चोटिल हो गए थे जिसके बाद उनकी इस साल के शुरुआत खेलते हुए शमी ने 43.2 ओवर गेंदबाजी की और सात विकेट झटके। इसके अलावा उन्होंने बल्ले से 37 रनों का योगदान भी दिया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इसके लिए रोहित शर्मा को छोड़कर टीम के अन्य सभी सदस्य ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और उन्होंने तैयारियां भी शुरू कर दी है। माना जा रहा था कि शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से भारतीय टीम में वापसी करेंगे, लेकिन जब टीम की घोषणा हुई थी तो उनका नाम शामिल नहीं था। हालांकि, शमी ने जिस तरह से मैदान पर वापसी की है, उससे चयनकर्ता प्रभावित हुए हैं। शमी अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो यह भारत के लिए राहत की बात होगी।शमी ने विराट कोहली के नेतृत्व में 2018-19 में भारत की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-हालांकि, अब खबर सामने आ रही है कि वह इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनेंगे। भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसके डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को झटका लगा है। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ हार से डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया था और अगर उसे खिताबी मुकाबले में प्रवेश करना है तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज करनी होगी।

'हम चार हैं', रोहित ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म की जानकारी साझा की, सोशल मीडिया पर लिखा पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रोहित और रितिका का यह दूसरा बच्चा है। इससे पहले उनकी एक बेटी समायरा भी है। समायरा का जन्म 30 दिसंबर 2018 को हुआ था। पहले रोहित या पुष्टि की है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही रोहित भारतीय टीम के साथ अब तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

रितिका की ओर से इस बारे में पुष्टि नहीं की गई थी, लेकिन अब खुद रोहित ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की पुष्टि की है।भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और उनकी पत्नी रितिका ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म की जानकारी साझा की है। रोहित ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए बताया कि उनका तीन लोगों का परिवार अब चार का हो गया है। उन्होंने इसके कैप्शन में 15 नवंबर 2024 की तारीख लिखी जो इस बात का संकेत है कि उनके दूसरे बच्चे का जन्म इसी तारीख को हुआ है। शुक्रवार की रात खबर आई थी कि रोहित दूसरी बार पिता बन गए हैं और रितिका ने बेटे को जन्म दिया है।रोहित और रितिका का यह दूसरा बच्चा है। इससे पहले उनकी एक बेटी समायरा भी है। समायरा का जन्म 30 दिसंबर 2018 को हुआ था। पहले रोहित या रितिका की ओर से इस बारे में पुष्टि नहीं की गई थी, लेकिन अब खुद रोहित ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की का पहला टेस्ट पर्थ में खेला जाना है। इस सीरीज को शुरू होने में अब एक सप्ताह से भी कम का समय शेष रह गया है, लेकिन यह अब तक तय नहीं हो पाया है कि रोहित पहले टेस्ट मैच के लिए टीम से जुड़ेंगे या नहीं। रोहित के दूसरी बार पिता बनने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि वह पहले मैच में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाते हैं या कुछ समय परिवार के साथ बिताना चाहते हैं। हालांकि, अब भी उनके शुरुआती टेस्ट में खेलने की पुष्टि नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उन्हें इस बारे में पुख्ता जानकारी नहीं है कि रोहित पहले मैच के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं।मुंबई में अभ्यास करते दिखे थे रोहित रोहित भले ही ऑस्ट्रेलिया नहीं गए हैं, लेकिन टीम से दूर रहने के बावजूद वह खुद को इस सीरीज के लिए तैयार कर रहे हैं। रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर कुछ दिनों पहले काफी वायरल हुआ था जिसमें वह मुंबई में नेट्स पर समय बिताते दिखे थे।

लगातार दो शतकों के दम पर तिलक ने कोहली के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा, एक टी20 सीरीज में बनाए इतने रन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तिलक ने 47 गेंदों पर नौ चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान संजू सैमसन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की अविजित साझेदारी की। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन की बदौलत एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और चौथे टी20 में शतक जड़ा था। उन्होंने इसके साथ ही एक टी20 द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। तिलक ने यह उपलब्धि चौथे टी20 मैच के दौरान हासिल की।

तिलक ने 47 गेंदों पर नौ चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान संजू सैमसन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की अविजित साझेदारी की। तिलक ने इससे पहले तीसरे टी20 में भी शतक जड़ा था और वह सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। तिलक को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला था।तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज में 140 के औसत और 198 के स्ट्राइक रेट से 280 रन बनाए जिसमें दो शतक शामिल है। वह इसके साथ ही भारत के लिए एक टी20 द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। तिलक ने इस मामले में कोहली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में 115.50 के औसत और 147.13 के स्ट्राइक रेट से 231 रन बनाए थे। इस दौरान कोहली का निजी सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 80 रन रहा था। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और सैमसन तथा तिलक ने तूफानी बल्लेबाजी कर दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। सैमसन और तिलक ने इसके साथ ही टी20 में भारत के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी की। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार पारियों से भारत ने 20 ओवर में एक विकेट पर 283 रन बनाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा और वह एक खास सूची में शामिल हो गए। तिलक दुनिया के पांचवें ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार दो मैच में शतक लगाया है। तिलक से पहले फ्रांस के गस्टव मैकॉन, दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोयू, इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और भारत के संजू सैमसन ऐसा कर चुके हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सूर्यकुमार ने तिलक को भविष्य का सितारा बताया, सीरीज जीत के बाद ऐसा था ड्रेसिंग रूम का माहौल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा कि तिलक आने वाले समय के बड़े खिलाड़ी हैं। बीसीसीआई ने सीरीज जीतने टैंक ने टी20 विश्व कप के दौरान ऋषभ पंत के साथ भी प्रयोग किया था। हालांकि, उन्हें थोड़ी सफलता मिली थी। तब से, ऋतुराज गायकवाड़, अभिषेक रहा था कि एक समय ऐसा भी आया है जब एक व्यक्ति (विराट) ने नंबर तीन पर लगातार बल्लेबाजी की है और भारत के लिए चमत्कार किए हैं। ऐसे में

के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम का वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में सूर्यकुमार बोलते दिखाई पड़े। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तिलक वर्मा की सराहना की है। उन्होंने कहा कि तिलक ने जो कहा था, वह करके दिखाया है। इस युवा खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो टी20 में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। तिलक ने सूर्यकुमार से तीसरे टी20 से पहले उन्हें नंबर तीन पर भेजने की विनती की थी। सूर्यकुमार ने इसकी इजाजत दी और फिर जो हुआ, वह इतिहास बन गया। भारतीय टीम ने लगातार दोनों टी20 जीते और सीरीज पर भी 3-1 से कब्जा जमाया कभी विराट कोहली नंबर तीन के महारथी माने जाते थे। इस महत्वपूर्ण नंबर के लिए हाल के दिनों में कई बल्लेबाजों को आजमाया गया है। टीम थिंक-शर्मा और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों ने कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा नंबर तीन की भूमिका संभालने से पहले इस पोजिशन पर बल्लेबाजी की थी। अब भारत को नया नंबर तीन मिल गया है। 22 साल के तिलक ने बता दिया है कि क्यों उन्हें आईपीएल के बाद से भविष्य का सितारा बताया जा रहा है।मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर के लिए अपना स्थान बलिदान किया, इससे सहमत दिखे। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा कि तिलक आने वाले समय के बड़े खिलाड़ी हैं। बीसीसीआई ने सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम का वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में सूर्यकुमार बोलते दिखाई पड़े।सूर्यकुमार ने चौथे टी20 में भारत की 135 रन की बड़ी जीत के बाद कहा, 'मेरे दिमाग में चल एक युवा लड़के को यह स्थान देने का सही मौका था। निश्चित रूप से तिलक के साथ इस स्थान पर बहुत सी संभावनाएं दिख रही हैं। हम दोनों ने वास्तव में एक-दूसरे से बात की और उन्होंने जिम्मेदारी स्वीकार की। उस वक्त तो तिलक जिम्मेदारी स्वीकार कर चले गए, लेकिन मैदान पर जिस तरह उन्होंने बल्ले से बात की, वह देखना अविश्वसनीय था। आशा है कि वह न केवल टी20 में बल्कि सभी प्रारूपों में ऐसा करना जारी रखेंगे।तिलक और संजू सैमसन के शतकों की बदौलत भारत ने एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर बनाया, जो पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय में पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। तिलक ने 47 गेंदों में नाबाद 120 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने पिछले दो मैचों में दो बार शून्य पर आउट होने के बाद 56 गेंदों में नाबाद 109 रन बनाकर पिछली पांच पारियों में तीसरा शतक जड़ा। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों पर 210 रन जोड़े, जो टी20 में भारत के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।सूर्यकुमार ने कहा, 'टी20 विश्व कप (जीतने) से पहले भी हमने कुछ टी20 मैच खेले थे। हमने इस बारे में बात की थी कि हम आगे किस ब्रांड और किस प्रकार की क्रिकेट खेलना चाहते हैं। हम अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए आईपीएल खेलते हैं, लेकिन जब हम एक साथ आते हैं, तो हम वही काम करना चाहते हैं जो हम अपनी फ्रेंचाइजी के लिए करते हैं। टी20 विश्व कप के बाद, हमने बस उसी का पालन किया कप्तान ने कहा, 'यह बताता है कि भारतीय क्रिकेट का आधार कितना मजबूत है। लोग अपने-अपने राज्यों के लिए बहुत घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। लोग वापस जाकर अपने राज्यों के लिए खेलना चाहते हैं। यह उनके खेलने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह बताता है कि खेलने को लेकर उनका जुनून, स्थिति, प्रदर्शन और निरंतरता कितनी है।' सैमसन ने ओपनिंग में अपना दबदबा दिखाया है। उनसे जब शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल की वापसी के बाद सैमसन की जगह के बारे में पूछा गया, तो सूर्यकुमार ने इसे टीम के लिए अच्छा सिरदर्द बताया।सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने इतना आगे के बारे में नहीं सोचा है। मैं इस पल में जीना पसंद करता हूं क्योंकि यह एक विशेष जीत है, एक विशेष सीरीज जीत है। जब वे वापस आएंगे तो हम इस पर शांति से चर्चा करेंगे (अराम से)। यह कठिन होगा और आगे के लिए यह अच्छा सिरदर्द है। टीम में 20-25 खिलाड़ियों का होना और 11 को चुनना एक चुनौती है, लेकिन यह किसी भी टीम के लिए बहुत अच्छी स्थिति है। टीम प्रबंधन, चयनकर्ता और बीसीसीआई इस सिरदर्द को संभाल लेंगे। कोई दिक्कत नहीं है।

सम्पादकीय

बेलगाम हुई साइबर ठगी, पुलिस और एजेंसियों को सक्षम बनाने की जरूरत

भारत सरकार ने बार-बार कहा है कि उसकी कोई एजेंसी डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं करती। खुद प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में यह कह चुके हैं कि डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वालों से सावधान रहें। इसके बाद खबर आई कि विभिन्न एजेंसियां साइबर ठगों के खिलाफ सक्रिय हो रही हैं लेकिन इसका कहीं कोई सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। साइबर अपराध की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। करीब-करीब हर दिन लोग साइबर ठगी के शिकार होकर अपना पैसा गंवा रहे हैं। एक समय पहले जैसे डकैती आम बात थी, वैसे ही अब साइबर ठगी। साइबर ठग नित-नए तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। पहले वे धोखे से लोगों की क्रेडिट, डेबिट कार्ड संबंधी जानकारी लेकर ठगी करते थे, फिर तरह-तरह का लालच देकर ठगने लगे। अब वे डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर लोगों को ठग रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट की फर्जी धमकी से भयभीत होकर लोग साइबर ठगों के चंगुल में बड़ी आसानी से फंस जा रहे हैं। इनमें अच्छे-खासे पढ़े-लिखे लोग भी हैं। अब तो नौकरशाह, उद्योगपति भी उनके चंगुल में फंसने लगे हैं। कई लोग ऐसे हैं, जो डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वाले ठगों के खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर कर चुके हैं। साइबर ठगी के मामले अकेले भारत में ही नहीं, लगभग हर देश की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बन कर सामने आ रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार 2025 में साइबर ठगी से होने वाली आर्थिक क्षति 10 लाख करोड़ डालर से भी अधिक हो सकती है। यह आंकड़ा सुनकर किसी के भी पैरों तले जमीन खिसक सकती है। यह आंकड़ा यही बताता है कि साइबर ठग किस तरह बेलगाम होते जा रहे हैं। साइबर ठगी के मामलों में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती ठगों की पहचान करना और उन्हें पकड़ना और फिर उनसे ठगी की रकम वसूलना होता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि साइबर ठग अक्सर विदेश में रहकर ठगी करते हैं और वह भी मोबाइल फोन, ईमेल आदि के जरिये। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के साथ यह भी दिख रहा है कि लोगों से ठगी के जरिये हासिल की गई राशि बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों दिल्ली के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर से दस करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर हड़प लिए गए। इसके पहले वर्धमान ग्रुप के प्रमुख एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये ठग लिए गए थे। साइबर ठगों ने उन्हें फर्जी सीबीआइ अधिकारी बनकर ठगा और उनके कथित मामले की सुप्रीम कोर्ट में फर्जी सुनवाई तक का नाटक किया। पांच-दस लाख रुपये की ठगी के मामले तो बहुत आम हो गए हैं। भारत सरकार ने बार-बार कहा है कि उसकी कोई एजेंसी डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं करती। खुद प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में यह कह चुके हैं कि डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वालों से सावधान रहें। इसके बाद खबर आई कि विभिन्न एजेंसियां साइबर ठगों के खिलाफ सक्रिय हो रही हैं, लेकिन इसका कहीं कोई सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। साइबर ठग पहले की ही तरह बेलगाम हैं। समझना कठिन है कि जब साइबर ठगी के मामले इतने बढ़ रहे हैं, तब सरकार की तरफ से नागरिकों को जागरूक करने के काम में शिथिलता क्यों बरती जा रही है? सरकार को चाहिए कि वह यह बार-बार बताए कि टैक्स की वसूली करने वाले आयकर, जीएसटी जैसे विभागों का डिजिटल अरेस्ट से कोई लेना-देना नहीं। इसी तरह यह भी प्रचारित किया जाना चाहिए कि सीबीआइ, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स जैसे विभाग न तो डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई करते हैं और न ही किसी मामले में किसी व्यक्ति को अपना पैसा किसी अन्य के खाते में जमा कराने को कहते हैं। साइबर ठग लोगों को धमकाने के लिए कभी फोन कर यह कहते हैं कि उनके नाम आए या उनके नाम से भेजे गए पार्सल में ड्रग्स मिला है। कभी यह कहते हैं कि उनके खाते से अवैध लेन-देन हो रहा है और कभी यह कि आपके बेटे-बेटी को अमुक-अमुक अपराध में हिरासत में लिया गया है। अनेक मामलों में वे वाट्सएप के जरिये वीडियो काल करते हैं। वे लोगों को डिजिटली अरेस्ट कर लिए जाने का भय दिखाते हैं। वे मैसेज के जरिये कोई लिंक भेजकर उसे क्लिक करने को भी कहते हैं, ताकि लिंक पर क्लिक करने वाले का मोबाइल फोन हैक कर सकें। साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को केवल लालच में आने से ही नहीं बचना होगा, बल्कि सीबीआइ, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स, जीएसटी आदि विभागों के फर्जी अधिकारी बनकर फोन करने वालों से भी सावधान रहना होगा।

ऐसी धमकियों को कैसे रोका जाए बम की अफवाह झूठी निकलने पर आरोपी पर सख्त कार्रवाई समय की मांग

देश में लगातार बम की धमकी की अफवाह बढ़ती जा रही है। ऐसे में बम रखने की झूठी घटना यदि अफवाह निकले तो आरोपी पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि ऐसी धमकियों से सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। हर जगह दहशत फैल जाती है और पूरा सरकारी अमला इसकी जांच में जुट जाता है।अक्सर विमान, स्कूल, कॉलेज, शॉपिंग मॉल, मंदिर जैसी संस्थाओं पर बम रखने की धमकी आती है। इन धमकियों के कारण सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। एयरपोर्ट से लेकर स्कूल, कॉलेज और मंदिरों में दहशत फैल जाती है। पूरा सरकारी अमला इसकी तस्दीक में जुट जाता है और अंत में पता चलता है कि कुछ लोगों ने केवल मजे के लिए यह धमकी थी। कई बार तो किसी बच्चे ने यह संदेश भेजा था। इन सभी का माध्यम सोशल मीडिया ही होता है।अगर किसी फ्लाइट को उड़ाने की धमकी मिलती है तो उसकी जांच की प्रक्रिया में काफी रुपये का नुकसान होता है। फ्लाइट खाली कराई जाती है। गहन चेकिंग होती है तो यात्रियों को दिक्कत होना भी लाजिमी है। ऐसे में एयरलाइन्स यात्रियों की सुविधा के लिए तमाम व्यवस्थाएं करती है। उड़ान ज्यादा लेट होने पर रिफंड भी करना पड़ता है। यात्रियों को बाहर रुकना पड़ता है। दूसरी उड़ानें भी प्रभावित होती हैं।विकृत मानसिकता के कुछ लोग भी इस काम में लगे रहते हैं। अपनी विकृति की संतुष्टि के कारण वे इस तरह के काम को अंजाम देते हैं। इस दिशा में कार्रवाई हुई तो कुछ ऐसे लोग पकड़े गए हैं, जो यह नहीं जानते थे कि वे क्या कर रहे हैं। कहीं कोई नाबालिग पकड़ा गया तो कहीं कोई नाराज प्रेमी। इससे यह बात भी सिद्ध होती है कि आजकल बच्चों और युवाओं में धैर्य नाम की कोई चीज नहीं बची है। वे आगे-पीछे कुछ भी सोचे बिना इस तरह के काम करते हैं। कई बार तो उन्हें इसका भी भान नहीं होता कि उनका किसी ने इस्तेमाल कर लिया। अनजाने में वे इस तरह का काम कर बैठते हैं।ऐसे में सरकार का यह कर्तव्य है कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे लोगों को पकड़कर उन्हें ऐसी सजा दे कि वह दूसरों के लिए सबक बन सके। हाल के दिनों में एयरलाइन कंपनियों को लगातार धमकियां मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी किए हैं और सभी कर्मचारियों से इसका पालन करने को कहा है। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत सख्ती के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर गलत सूचना को तुरंत रोकने के लिए कहा गया है। वैसे यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि क्या इस तरह की घटना किसी संगठन की धमकी है या किसी की शरारत। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह भारतीय विमानन कंपनियों को घाटे में पहुंचाने की साजिश हो। इस दिशा में भी गहनता से जांच होनी चाहिए।

जनजातीय गौरव की भावना का उत्सव, भगवान बिरसा मुंडा की आकांक्षाएं युवाओं की प्रेरणा

इतिहास के प्रत्येक कालखंड में हमारी मातृभूमि ने ऐसे वीर बेटे-बेटियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने विलक्षण योगदान के बल पर भारत की भावना को अभिव्यक्ति दी है। कुछ विभूतियों ने सप्तर्षि मंडल के नक्षत्रों की तरह हमारा मार्गदर्शन किया। भगवान बिरसा मुंडा हमारे नक्षत्र मंडल के सबसे चमकते सितारों में से एक थे, जिनका प्रकाश राष्ट्र के मार्ग को आलोकित करता है। आज जब देश ने अपने आधुनिक इतिहास के इस महान व्यक्तित्व की 150वीं जयंती का साल भर चलने वाला समारोह शुरू किया है, तब मैं उनकी पुण्य स्मृति को कृतज्ञतापूर्वक नमन करती हूं। मुझे याद आता है कि कैसे बचपन में भगवान बिरसा मुंडा की गाथाएं सुनकर मुझे और मेरे संगी-साथियों को अपनी विरासत पर गर्व होता था। मात्र 25 वर्ष की आयु में आज के झारखंड के उलिहातू गांव का वह बालक औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध जन-प्रतिरोध का महानायक बन गया। जब ब्रिटिश अधिकारी और स्थानीय जमींदार जनजातीय समुदायों का शोषण कर रहे थे, उनकी जमीनें हड़प रहे थे और अत्याचार कर रहे थे, तब भगवान बिरसा इस सामाजिक-आर्थिक अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े हुए। उन्होंने लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। 'धरती आबा' के रूप में सम्मानित भगवान बिरसा ने ब्रिटिश उत्पीड़न के विरुद्ध 'उलगुलान' या मुंडा विद्रोह का संचालन किया। यह एक विद्रोह से कहीं बढ़कर न्याय और सांस्कृतिक पहचान के लिए था। उनकी सूझबूझ ने जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर खेती करने के अधिकार और जनजातीय रीति-रिवाजों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। बीमारों की सेवा उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था। अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। वह गांव-गांव बीमारों से मिलने जाते और अपने कौशल से असंख्य लोगों को स्वस्थ करते।

आखिर कितना खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है। यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236 थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है। सन् 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है। विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यतः वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं। जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है। वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं। ब्लैक कार्बन एक प्रकार का कण पदार्थ (पीएम) है जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य कार्बनिक पदार्थों के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर और वातावरण को गर्म करता है और जलवायु को भी प्रभावित करता है। साथ ही यह बर्फ की सतह पर जमा होने पर बर्फ के पिघलने की गति भी बढ़ाता है। वाहनों से सबसे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है जो कि जीवाश्म ईंधन के दहन से उत्पन्न एक ग्रीनहाउस गैस है। यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली प्राथमिक गैस है। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस एरोसोल के निर्माण और व्यवहार को प्रभावित करती है जिसके गर्म और ठंडे दोनों चरम प्रभाव हो सकते हैं। इसी तरह मीथेन वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरोसोल के निर्माण को जन्म देती है। एरोसोल बादल निर्माण और गुणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पृथ्वी का विकिरण संतुलन प्रभावित होता है और चरम मौसम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे दैवी आपदाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए एरोसोल सांद्रता में परिवर्तन जलवायु प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की भूमिका और जटिल हो जाती है। अब कल्पना की जा सकती है कि वाहनों का रेला किस तरह हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। यद्यपि अब वाहनों के सख्त नियमन से पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण सुधार अधूरे साबित हो रहे हैं।

लापरवाह' सिस्टम ने लील ली 10 नवजातों की जिंदगी

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में भीषण आग ने 10 नवजातों को हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। गनीमत यह रही कि वार्ड की खिड़की तोड़कर 39 नवजातों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई सरकारी मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में भीषण आग ने 10 नवजातों को हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। गनीमत यह रही कि वॉर्ड की खिड़की तोड़कर 39 नवजातों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी अस्पताल के वॉर्ड में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। शायद ही ऐसा कोई राज्य होगा, जहां ऐसे हादसे न हुए होंगे। विडंबना यह है कि हर हादसे के बाद शासन-प्रशासन जागता है और कुछ दिनों में शांति हो जाती है। फिर एक नई घटना होने पर हाय तौबा मच जाती है। झांसी की घटना में अब तक जो लापरवाही सामने आ रही है, वो बेहद गंभीर है। जब आग वॉर्ड में फैल रही थी, तब वॉर्ड ब्वॉय ने अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) चलाया, लेकिन वो काम नहीं कर रहा था, क्योंकि उसे एक्सपायर हुए चार साल बीत चुके थे। भारत सरकार की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) पर अगर ध्यान दें तो उसमें स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। एसओपी के अनुसार अग्निशमन यंत्र का मासिक आधार पर निरीक्षण किया जाना चाहिए। सालाना निरीक्षण किसी पेशेवर द्वारा कराया जाना चाहिए। अग्निशमन यंत्रों के चयन, स्थापना, रख-रखाव के लिए भारतीय मानक 2190 का पालन करना आवश्यक है, क्योंकि प्रत्येक अग्निशमन यंत्र को आग के प्रकार के आधार पर चिन्हित किया जाता है। ऐसे और भी दिशा-निर्देश एसओपी में दिए गए हैं।स्पष्ट है कि भारत सरकार के बने दिशा-निर्देशों का पालन झांसी के अस्पताल में नहीं हो रहा था। यदि केंद्र सरकार देशभर में अस्पतालों में फायर ऑडिट कराए तो उत्तर प्रदेश ही नहीं, अन्य राज्यों के अस्पतालों की भी पोल खुल जाएगी। भले वो सरकारी हों या निजी अस्पताल। अग्निशमन यंत्रों के साथ बिजली उपकरणों का ऑडिट भी आवश्यक है, क्योंकि आग लगने की घटना के पीछे सबसे बड़ा कारण शॉर्ट सर्किट ही निकाल कर आता है। झांसी के केस में भी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में स्पार्किंग हुई और फिर धमाके से आग फैली। घटना के चंद घंटों में झांसी पहुंचे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और मजिस्ट्रेट से जांच की बात कही है। पाठक कह रहे हैं कि अगर कोई चूक पाई जाती है तो जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी। अब यह देखना होगा कि अग्निशमन यंत्रों के रख-रखाव के लिए जिम्मेदार असली व्यक्ति पर सरकार की कार्रवाई कब तक होती है उत्तर प्रदेश में चार दिन बाद यानी 20 नंवबर को 10 सीटों पर विधानसभा उप चुनाव भी हैं तो इस घटना से राजनीति भी गरमा गई है। विपक्ष प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमलावर है, लेकिन यह समय राजनीति से ज्यादा एकजुटता का होना चाहिए। केवल एक राज्य सरकार की बात नहीं है। पक्ष-विपक्ष की सरकारों को एकमत होकर कड़े नियम बनवाने और लागू कराने की जरूरत है, ताकि आए दिन ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो। जिन 10 बच्चों की जान गई है, वो देश का भविष्य थे। उन नवजातों का क्या कसूर था? सिस्टम की लापरवाही ने उनकी जान ले ली। अब यह सरकार का दायित्व है कि वो केवल जांच के नाम पर मामले खींचने के बजाय न केवल दोषियों को सजा दे, बल्कि ऐसा संदेश भी जाए, जिससे लापरवाह सिस्टम जागे। एक और झांसी देश या प्रदेश में न बने।

अब क्या होगा ट्रम्प के खिलाफ चल रहे अपराधिक मामलों का

कानूनी जानकारों के अनुसार ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी उनके खिलाफ कई वर्षों की जांचों और मुकदमों को समाप्त कर देगी, जिनमें विशेष काउंसल जैक स्मिथ और जॉर्जिया जिला अटॉर्नी फानी विलिस द्वारा चलाए गए मामले भी शामिल हैं, और यह उन्हें अभियोजन से व्यापक बचाव प्रदान करेगा।डोनाल्ड ट्रम्प न केवल पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप लगे हैं, बल्कि अब वह पहले ऐसे दोषी व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव भी जीत लिया है। ट्रम्प की यह विजय संभवतः उन्हें उनकी कई गलतियों के लिए गंभीर कानूनी परिणामों से बचने का मार्ग प्रशस्त करती है, जिससे उनके खिलाफ चल रहे विभिन्न आपराधिक और सिविल मामलों पर प्रभावी रूप से रोक या स्थगन लग जाएगा। कानूनी जानकारों के अनुसार ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी उनके खिलाफ कई वर्षों की जांचों और मुकदमों को समाप्त कर देगी, जिनमें विशेष काउंसल जैक स्मिथ और जॉर्जिया जिला अटॉर्नी फानी विलिस द्वारा चलाए गए मामले भी शामिल हैं, और यह उन्हें अभियोजन से व्यापक बचाव प्रदान करेगा।चुनाव जीतते ही ट्रम्प ने शपथ ली है कि यदि स्मिथ ने पहले ही स्वयं पद नहीं छोड़ा तो वह जैसे ही पदभार संभालेंगे, विशेष काउंसल जैक स्मिथ को कुछ ही सेकंड में हटा देंगे। स्मिथ ट्रम्प की 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने की कोशिश और मार-ए-लागो में रखे गए गुप्त दस्तावेजों के मामले की जांच कर रहे थे।ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही वह इन मामलों को न्याय विभाग के माध्यम से समाप्त कर सकते हैं। वाशिंगटन में चल रहे स्मिथ के मामले (जो ट्रम्प की 6 जनवरी को कैपिटॉल पर हमले में भूमिका से संबंधित हैं) और फ्लोरिडा में (गुप्त दस्तावेजों से संबंधित) संभवतः अब स्थगित या पूरी तरह से खारिज हो सकते हैं।वाशिंगटन में ट्रम्प पर 2020 के चुनाव नतीजों के हरण की कोशिश करने के आरोप हैं। लेकिन कोई भी फाइलिंग की समय सीमा, जो जज तन्या चुटकन द्वारा निर्धारित की गई है, ट्रम्प के पदभार संभालने के बाद स्थगित हो सकती है। जब तक न्याय विभाग का नेतृत्व बदल नहीं जाता तब तक फ्लोरिडा में ट्रम्प के मार-ए-लागो मामले की अपील शायद अनिश्चितकाल के लिए विलंबित हो सकती है।फुल्टन काउंटी की जिला अटॉर्नी फानी विलिस का ट्रम्प के खिलाफ मामला, जो 2020 के चुनाव परिणामों को भ्रष्ट करने के कथित प्रयास से संबंधित है वह कानूनी चुनौतियों के कारण कारण दरकिनार कर दिया गया है। ट्रम्प की अपील, जिसमें विलिस के संभावित हितों के टकराव के कारण मामले को कई महीनों के लिए रोक दिया गया था।अब यदि विलिस अपील में जीतती हैं और मामला फिर से शुरू होता है, तो ट्रम्प राष्ट्रपति की इम्यूनिटी का हवाला देते हुए यह तर्क देंगे कि एक राष्ट्रपति को राज्य स्तर के अभियोजक द्वारा अभियुक्त नहीं बनाया जा सकता। अगर यह मामला ट्रम्प के कार्यकाल के अंत तक खिंचता है तो फिर दस साल पुराने मामले को साबित करना कठिन होगा।ट्रम्प भुगतान को छिपाने के लिए कथित तौर पर व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के मामले में आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। अश्लील फिल्मों की एक्टर स्टॉर्मी डेनियल्स का दावा था कि उसने और ट्रम्प ने सेक्स किया था और उसने राज न खोलने के बदले में 2016 के चुनाव से पहले अपने पूर्व वकील से 130,000 डॉलर ट्रम्प से लिए थे।ट्रम्प को स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में 34 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इस मामले में सजा 26 नवंबर 2024 को निर्धारित की गई है। लेकिन ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क दे सकती है कि राष्ट्रपति-निर्वाचित को राज्य अदालत में पेश नहीं होना चाहिए। खासकर जब वह अपने राष्ट्रपति पद के संक्रमण काल में हों। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद जेल की सजा बाद में टल सकती है।यदि जज जुआन मर्चन कोई गैर-जेल सजा, जैसे घर में नजरबंदी या सामुदायिक सेवा निर्धारित करते हैं, तो ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क देते हुए कि राष्ट्रपति के कर्तव्य कानूनी दायित्वों से पहले आते हैं इसलिए इसे भी स्थगित करने की कोशिश करेगी।आपराधिक मामलों के अलावा ट्रम्प कई बड़े सिविल मुकदमों का भी सामना कर रहे हैं, जिनकी राशि सैकड़ों मिलियन डॉलर तक पहुंचती है। इन मामलों में धोखाधड़ी, मानहानि, यौन उत्पीड़न और कॉर्पोरेट गलत कामों के आरोप हैं।ट्रम्प राष्ट्रपति पद की शक्ति का उपयोग इन वित्तीय दायित्वों से खुद को बचाने के लिए कर सकते हैं। जहां तक आपराधिक सुरक्षा का सवाल है, वहां कोई संवैधानिक बाधा नहीं है, जिससे एक राष्ट्रपति पर नागरिक दंड नहीं लगाया जा सकता। हालांकि, ट्रम्प यह तर्क देंगे कि सिविल या दीवानी मुकदमे उनके कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं और इसलिए इन पर निर्णय में देरी हो सकती है।धोखाधड़ी मामला (न्यूयॉर्क): न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशा जेम्स ने ट्रम्प के खिलाफ निर्णय लिया, जिसमें उन्होंने ट्रम्प के नेट वर्थ और रियल एस्टेट मूल्य को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया, ताकि वह बैंकों और बीमा कंपनियों से अनुकूल ऋण प्राप्त कर सकें।

ठाणे में की गई सीएम शिंदे के बैग की जांच; दिग्विजय ने महायुति को बताया चोरी की सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि पीएम मोदी का कहना है एक रहो सेफ रहो। राहुल गांधी ने सही कहा है कि कुछ लोग भारतीय अर्थव्यवस्था पर एकाधिकार चाहते हैं और वे एकजूट होकर ही सुरक्षित हैं। चुनाव आयोग अधिकारियों ने शनिवार को ठाणे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बैग की जांच की। सीएम शिंदे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के लिए हेलीपैड से कोंकण जा रहे थे।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जताते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने महायुति को चोरी की सरकार बताया। उन्होंने बताया कि जनता ने पहले कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा गठबंधन को चुना था। उन्होंने महायुति पर झारखंड सरकार को भी गिराने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि महायुति बिना किसी वजह के मौजूदा मुख्यमंत्रियों को जेल भेज रही है। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, ठयह चोरी की सरकार है। यह सार्वजनिक रूप से चुनी हुई सरकार नहीं है। जनता ने कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा गठबंधन को चुना था। वे झारखंड में भी सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। वे मौजूदा मुख्यमंत्रियों को जेल भेज रहे हैं। अदालत भी उनसे सवाल करती है कि उन्हें जेल क्यों भेजा गया। मुझे यकीन है कि झारखंड और महाराष्ट्र में हमारी सरकार बनेगी।महाराष्ट्र में 288 संसदीय सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होने वाला है। पीएम मोदी के एक रहो सेफ रहो और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे वाले नारे पर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, ठपीएम मोदी का कहना है एक रहो सेफ रहो। राहुल गांधी ने सही कहा है कि कुछ लोग भारतीय अर्थव्यवस्था पर एकाधिकार चाहते हैं और वे एकजूट होकर ही सुरक्षित हैं। जहां तक यूपी के सीएम आदित्यनाथ की बात है तो बुल्डोजर कल्चर पर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट से आदेश दिया था, कोई और होता तो इस्तीफा दे देता।जाति जनगणना को दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ठभाजपा बांटने वाली है और राहुल गांधी का कहना है कि समस्याओं का समाधान विस्तृत शोध के आधार पर ही किया जा सकता है। सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए जाति आदारित जनगणना कराई जानी चाहिए। भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि वे उन्हें जाति जनगणना से दिक्कत क्यों है? 2024 और 2021 की जनगणना होती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार पर उद्धव ठाकरे और शरद पवार के पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाया। महाविकास अघाड़ी उम्मीदवार के लिए चंद्रपुर में प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि शिंदे और अजित पवार को (राजनीतिक रूप) से दफन कर देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई समेत भारत के छह बड़े शहरों ने भाजपा को खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात से दो लोग मुंबई को लूटने आए हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि डबल इंजर सरकार में एक प्रधानी है तो दूसरा अदाणी। कांग्रेस ने सांगली निर्वाचन क्षेत्र में अपने आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने के लिए जयश्री पाटिल को छह साल के लिए कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया है।ठाणे के कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन आयोग की टीम ने शनिवार को एक वाहन से 5.55 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी विश्वास गुर्जर ने बताया कि टीम ने सुबह शिलफाटा इलाके में तैनाती के दौरान एक वाहन को रोका और उसमें से 5.55 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की। उन्होंने आगे कहा कि नकदी की जांच मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई। बाद में इसे आयकर विभाग के अधिकारियों ने उसे जब्त कर लिया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे का सच्चा शिवसैनिक कभी किसी की पीठ में छुरा नहीं घोंपता। उन्होंने कहा कि गद्दारों को वोट न दें। चांदिवली में कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद आरिफ नसीम खान के प्रचार के दौरान उद्धव ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने मन बना लिया है। वह गद्दारों को सबक सिखाएगी। एक सच्चा शिवसैनिक कभी किसी की पीठ में छुरा नहीं घोंपता।

तीन शव मिलने के बाद प्रदर्शन, इंफाल में मंत्रियों-विधायकों के घर में घुसकर तोड़फोड़, लगा कर्फ्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मणिपुर सरकार के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवास का घेराव किया। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए तोड़फोड़ भी। तीन विधायकों की संपत्तियों को आग लगा दी गई। पुलिस और सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद सरकार ने इंफाल

घाटी में कर्फ्यू लगा दिया।जिरीबाम में तीन लोगों के शव मिलने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के विरोध में लोग सड़क पर उतर आए और मणिपुर सरकार के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवास का घेराव किया। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए तोड़फोड़ भी की। तीन विधायकों की संपत्तियों को आग लगा दी गई। पुलिस और सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद सरकार ने इंफाल घाटी में कर्फ्यू लगा दिया। जबकि सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। सबसे पहले प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने लामफेल सनाकेथेल इलाके में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सापम रंजन के आवास पर धावा बोला। यहां पर लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इसके बाद लामफेल सनाकेथेल विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि डेविड ने बताया कि मंत्री सापम ने आश्वासन दिया कि तीन लोगों के शव मिलने के मुद्दे पर कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। अगर सरकार लोगों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रही तो वह अपना इस्तीफा दे देंगे।इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री एल सुसिंद्रो के घर का भी घेराव किया। भीड़ ने सुसिंद्रो के घर के बाहर तोड़फोड़ का प्रयास किया। इसके बाद सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों पर कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने सिंगजामी इलाके में नगर प्रशासन आवास विकास मंत्री वाई खेमचंद के आवास को भी निशाना बनाया।सागोलबंद इलाके में प्रदर्शनकारियों ने भाजपा विधायक आरके इमो के आवास के सामने इकट्ठा होकर नारे लगाए। लोगों ने सरकार से उचित कार्रवाई की मांग की। साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए कहा। भीड़ ने भाजपा विधायक के घर में तोड़फोड़ की और विधायक की संपत्ति को आग के हवाले कर दिया।प्रदर्शनकारियों ने इंफाल पश्चिम के तेरा में भाजपा विधायक सपाम कुंजाकेसोर के आवास का घेराव करते हुए उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। प्रदर्शनकारियों ने विधायक के आवास के बाहर खड़ी एक गाड़ी को भी आग के हवाले कर दिया गया। वहीं थांगमेइबंद में भाजपा के एक और विधायक जॉयकिशन सिंह के आवास में भी तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों ने वांगखेई निर्वाचन क्षेत्र के जदयू विधायक टी अरुण और लंगथाबल के भाजपा विधायक करम श्याम के घरों का घेराव किया।केशामथोंग निर्वाचन क्षेत्र के निर्दलीय विधायक सपाम निशिकांत सिंह से मिलने उनके टिडिम रोड आवास पर पहुंचे प्रदर्शनकारियों को जब पता लगा कि विधायक घर पर नहीं हैं तो उनके स्थानीय समाचार पत्र के कार्यालय भवन को निशाना बनाया गया। यहां भीड़ ने तोड़फोड़ की। इसके अलावा दो अन्य विधायकों के घर के बाहर भी नारेबाजी की गई।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अजय देवगन की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म है ब्लॉकबस्टर की रीमेक, 68 करोड़ रुपये में बनी थी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म सिंघम अगेन की सफलता का आनंद ले रहे हैं। लेकिन क्या आपको पता है अजय की सबसे खराब और फ्लॉप फिल्म के बारे में। अगर नहीं तो जानिए इस खास रिपोर्ट में...अजय देवगन ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन हिट फिल्में दी हैं, लेकिन 11 साल पहले, अजय ने एक बड़ी फ्लॉप फिल्म दी थी, जिसे उनकी सबसे खराब फिल्म बताया गया। आखिर कौन सी फिल्म थी, जिसे 68 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था, लेकिन फिर भी फ्लॉप हो गई थी। वैसे तो इन दिनों अजय अपनी फिल्म सिघम अगेन को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अजय की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं , जिनमें सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 भी शामिल हैं। बहरहाल, देखा जाए तो अजय देवगन ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। वह कुछ प्रमुख फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, जो अक्सर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ती हैं। वैसे तो अजय की फिल्में अक्सर रिकॉर्डतोड़ कमाई करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्होंने कुछ बड़ी फ्लॉप फिल्में भी दी हैं? कभी-कभार उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल भी रहीं। हालांकि, उनकी सबसे खराब फिल्म बड़े बजट में बनी थी और बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गई थी। अजय देवगन की सबसे खराब फिल्म के बारे में बात करे तो वह किसी फिल्म का रीमेक है, जिसे 68 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनाया गया था। यह 11 साल पहले रिलीज हुई थी और यहां तक कि अभिनय को भी बिल्कुल पसंद नहीं किया गया था। सोच रहे हैं कि वह कौन सी फिल्म है? खैर, उस फिल्म का नाम हिम्मतवाला। हिम्मतवाला फिल्म श्रीदेवी और जीतेंद्र की 1983 में इसी नाम की फिल्म की रीमेक थी। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म का निर्देशन साजिद खान ने किया था, लेकिन अफसोस की बात यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप हो गई थी। अजय के साथ, 2013 की इस फिल्म में तमन्ना भाटिया, परेश रावल और महेश मांजरेकर भी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में कॉमेडी, ड्रामा, एक्शन और रोमांस देखने को मिला था, जो दर्शकों को रास नहीं आया। हालांकि, जब यह सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो इसे दर्शकों और आलोचकों से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने भारत में 58.34 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 65.79 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।वहीं पिछले कुछ सालों में अजय देवगन ने कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं, जिनमें हाल ही में रिलीज हुई सिंघम 3, 2022 में दृश्यम 2, शैतान जैसी कई फिल्में शामिल हैं। वहीं अजय जल्द ही रेड 2, दृश्यन 3, दे दे प्यार दे 2, शैतान 2, आजाद के अलावा कई फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजम करने वाले हैं।

बिग बॉस के घर फिर हुआ बवाल, रजत ने घर वालों को दी शिल्पा से दूर रहने की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 दिलचस्प मोड़ लेता जा रहा है, जिससे शो के प्रति दर्शकों की उत्सुक्ता बढ़ीत जा रही है। इस बार बिग बॉस के घर रजत दलाल और शिल्पा शिरोडकर बीच छिड़ी जंग।बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट लगातार अपने ड्रामे, बहस और मजाक से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। वीकेंड के वार में, सलमान खान एक ब्रेक के बाद आए और कंटेस्टेंट्स को एक बहुत जरूरी ब्रेक दिया। एक टास्क के दौरान, नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स को अपने दोस्तों को एक हाउसमेट के बारे में चेतावनी देनी थी और सभी को चौंकाते हुए रजत दलाल ने शिल्पा शिरोडकर का नाम लिया। उसके बाद जो बवाल हुआ, उसने सभी को चौंका दिय बॉलीवुड अभिनेत्री और बिग बॉस कंटेस्टेंट

शिल्पा शिरोडकर, रजत दलाल की बीतों से हैरान रह गईं, जब रजल ने घर वालों को बताया कि वह हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार करने की सिर्फ कोशिश करती हैं और कभी भी अपनी राय नहीं रखती हैं। रजत ने आगे शिल्पा के लिए कहा कि करण वीर मेहरा, चुम दरंग और घर के आधे सदस्य पहले से ही उनका समर्थन करते हैं और वह बाकी आधे लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही हैं।रजत दलाल की बातों को सुनकर, अभिनेत्री राशि खन्ना, जो अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के प्रचार के लिए विक्रांत मैसी के साथ बिग बॉस के सेट पर आई थीं वह भी दंग रह गईं। राशि ने कहा ठइसे कहते हैं पर्दा फाश।'' वहीं दूसरी ओर, रजत के बयान से शिल्पा शिरोडकर परेशान हो जाती हैं।बिग बॉस के घर से राशि और विक्रांत के जाने के बाद, करण वीर मेहरा और चुम दरंग के साथ बैठकर शिल्पा शिरोडकर इस बारे में चर्चा करती हैं। रजत उनकी बातें सुन लेता है और पूछता है कि क्या वे उसके बारे में बात कर रहे हैं। वह उनसे सीधे बात करने के लिए कहता है और करण उससे पूछता है कि वह क्या जानना चाहती है। इससे शिल्पा शिरोडकर और रजत दलाल के बीच बहस हो जाती है।शिल्पा, रजत से कहती हैं, ङ्खआप जिन लोग के साथ अकेले बैठे हो, आप उनके भी नहीं हो पाए। आप उनके साथ भी सही नहीं हो। आपको लगता है आप सामने से बोलते हो, लेकिन आप बोलते ही नहीं हो। आप यूके का मौसम जैसा हो, सुबह एक पसंदीदा होता है, दोपहर कोई और है, शाम को कोई और। रजत दलाल ने पलटवार करते हुए कहा कि शिल्पा शिरोडकर कभी भी अपने मन की बात नहीं कहती हैं। वह कहते हैं, ङ्खअगर पांच लोगों की बात हो रही है, आप स्वाद अच्छे लेते हो, खुद के समय मिर्ची लग जाती है। साथ वाले के बारे में भी बोलते देखा है आपको।

वीकेंड के वार पर भाईजान की वापसी, दिग्विजय और अविनाश की सलमान खान ने लगाई क्लास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' के वीकेंड के वार पर सलमान खान ने धमाकेदार वापसी की है। उन्होंने ने शो के बाहर होने के बाद एक-दूसरे को फाड़ने की उनकी धमकियों के बारे में दोनों को सबक सिखाने का फैसला किया। शनिवार को अविनाश किचन एरिया में गिर गए थे और घायल हो गए थे।इसके बाद अभिनेता सलमान खान ने अविनाश से पूछा, ठये कौनसे शो

आते ही प्रतियोगियों की क्लास लगाई। अभिनेता ने दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा को निशाने पर लेते हुए सबक सिखाया। सलमान खान ने 'बिग बॉस 18' में वापसी कर दी है। अपनी फिल्म सिकंदर की शूटिंग के बाद वह वापस वीकेंड का वार पर नजर आए हैं। आते ही सलमान खान दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा पर बिफर पड़े। उन्होंने इन दोनों की क्लास लगाई। अभिनेता सलमान खान दोनों को सबक सिखाते दिखे। आइए जानते हैं सलमान खान ने क्या कहा 'वीकेंड का वार' एपिसोड के दौरान, सलमान प्रसारित हुए एपिसोड में सलमान ने मंच पर एक जींस की जोड़ी मंगवाई और अविनाश से उन्हें फाड़ने के लिए कहा। जैसी कि उम्मीद थी, अविनाश ऐसा नहीं कर सके। सलमान ने इस मौके का इस्तेमाल अपनी बात रखने के लिए किया। उन्होंने प्रतियोगियों से पूछा, ठये जींस है, ये फटी है पर आपसे फट नहीं रही। और आप आदमी फाड़ने की बात कर रहे हैं बिच से। कितने आदमी अपने बाहर फाड़े हैं दिग्विजय?ठ बता दें कि कुछ दिनों पहले दिग्विजय और अविनाश आपस में भिड़ गए थे, जिसके बाद में आए हो आप? कराटे कॉम्बैट में आए हो? कौन से फॉर्मेट में आए हो?ङ्ग पिछले हफ्ते निर्माता एकता आर कपूर ने सलमान से होस्टिंग की जिम्मेदारी संभाली, जो अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त थे। कपूर ने शुक्रवार का वार एपिसोड के दौरान घरवालों को सबक सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिसमें अभिनेता विवियन डीसेना उनके मुख्य निशाने पर थे। हालांकि, जब अभिनेता ने रजत को जींस फाड़ने के लिए कहा तो उन्होंने उनकी यह जींस फाड़ दी। यह देखकर बाकी प्रतियोगी दंग रह गए।

थिएटर व्यवसाय की खराब स्थिति पर करण जौहर ने दी राय, बताया किन बातों पर ध्यान देने की है जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक करण जौहर ने हाल में ही थिएटर व्यवसाय की मौजूदा स्थिति और इसके भविष्य को बदलने चाहिए कि आज स्ट्रीमिंग सेवाओं पर बहुत सारी चीजें उपलब्ध है, लेकिन अभी भी लोगों में सिनेमाघरों में जा कर फिल्में देखने की बहुत इच्छा है। इसलिए, ऐस फिल्में

के लिए जरूरी चीजों पर बात की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माताओं को दर्शकों की भावनाएं समझना काफी आवश्यक है। बॉलीवुड पिछले कुछ वर्षों से एक बुरे दौर से गुजर रहा है। मौजूदा वर्ष 2024 इसके इतिहास के सबसे बुरे वर्षों में से एक है। इस फिल्म उद्योग ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसमें 1000 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई करने वाली दो फिल्में शामिल थीं, लेकिन ये साल स्त्री 2 के अलावा कुछ खास अच्छी नहीं रही है। हाल में ही बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर से सीएनबीसी-टीवी18 के ग्लोबल लीडरशिप समिट में थिएटर व्यवसाय की मौजूदा स्थिति, इसके भविष्य और चीजों को बदलने के लिए क्या किया जा सकता है को लेकर पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड को दर्शकों की भावनाओं को समझना चाहिए। फिल्म निर्माता ने दर्शकों के व्यवहार और नब्ज को समझने के महत्व पर जोर देते हुए जवाब दिया, मेरा मानना है कि हमें फिल्म निर्माताओं के रूप में दर्शकों की भावनाओं को समझना चाहिए। आपको ध्यान देना बनाएं, जो लोगों को तुरंत सिनेमा हॉल तक ले जाएं, ऐसी फिल्में नहीं जो आपको ओटीटी पर रोजाना देखने को मिलती हैं।ठकरण ने आगे कहा, ठमैं हमेशा फिल्म निर्माताओं से कहता हूं कि वे अपने ट्रेलर को लेकर योजना बनाएं। अगर कोई फिल्म आपको शानदार थिएट्रिकल ट्रेलर दे रही है, तो यह आपको शानदार थिएट्रिकल ओपनिंग देगी। कोई भी सामान्य चीज छूट जाएगी। कोई भी पहले से किया हुआ काम नहीं करेगा। इसलिए आपको अपनी पहली यूनिट की योजना बनानी होगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि दर्शक कहें, 'मैंने अपनी टिकटें बुक कर ली हैं और मैं जा रहा हूं।उन्होंने हॉरर-कॉमेडी मुंज्या की सफलता का भी उल्लेख किया, जिसने कम प्रसिद्ध अभिनेताओं शरवरी और अभय वर्मा द्वारा अभनीत होने के बावजूद, वैश्विक स्तर पर 125 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इस चर्चा में ही आगे करण ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य बहुत सारे छोटे बजट की फिल्में बनाना है। उन्होंने कहा, यह मध्यम बजट की फिल्म है, जहां मुनाफे की लागत बहुत ज्यादा होती है।

इन फिल्मों को दो भागों में रिलीज करने का हुआ एलान, सूची में कंगुवा का नाम भी शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सूर्या की फिल्म कंगुवा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत नहीं की है। इस फिल्म को दो भागों में रिलीज करने का एलान किया गया था। इससे पहले भी कई ऐसी फिल्में आ चुकी हैं, जिन्हें दो पार्ट में बनाने की घोषणा की जा चुकी है।सूर्या की फिल्म कंगुवा ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में पूरी तरह से नाकाम रही है। यह फिल्म पहले तीन दिन में 50 करोड़ रुपये की कमाई भी नहीं कर सकी है। रिलीज से पहले ही इस फिल्म को दो भागों में बनाने का एलान कर दिया गया था। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि खराब कलेक्शन के बाद भविष्य में इस फिल्म का सीक्वल आ पाता है या नहीं। कंगुवा से पहले कई और फिल्मों को दो पार्ट में रिलीज करने का एलान किया जा चुका है। आइए जानते हैं इन फिल्मों के बारे में...जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा को हाल ही में रिलीज किया गया था। शिव कोरताला के निर्देशन में यह फिल्म बड़े बजट में तैयार की गई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह

फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी। फिल्म को देवरा- पार्ट वन के नाम से रिलीज किया गया था। इसके दूसरे भाग के लिए दर्शकों को अभी लंबा इंतजार करना पड.सकता है।तेलुगु सुपरस्टार प्रभास प्रशांत नील की फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफल रही थी। फिल्म के एलान के समय पर ही यह पहले सी तय हो चुका था कि फिल्म दो भागों में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म का दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2025 तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकता है। इस सूची में अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा का नाम भी शामिल है। फिल्म की रिलीज के समय ही पता चल गया था कि यह दो भागों में बनाई जाएगी। साल 2021 में रिलीज हुई इस फिल्म को पुष्पा द राइज पार्ट वन के नाम से रिलीज किया गया था। वहीं, फिल्म का दूसरा भाग इस साल 5 दिसंबर को आने वाले है। रणबीर कपूर की फिल्म रामायण की चर्चा लबे समय से हो रही है। इस फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी और यश भी नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन नितीश तिवारी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म को दो भागों में तैयार किया जाएगा।

क्या सच में स्पिरिट में नजर आएंगे कोरियाई स्टार डॉन ली जानिए संदीप रेड्डी वांगा ने क्या कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोरियाई सुपरस्टार डॉन ली को लेकर चर्चा है कि वह फिल्म स्पिरिट में नजर आ सकते हैं। इस पर अब निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की प्रतिक्रिया सामने आई है।प्रभास और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा पहली बार फिल्म स्पिरिट में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस पुलिस एक्शन ड्रामा फिल्म की चर्चा हाल के दिनों काफी तेज हो गई है। दरअसल, लोगों को उम्मीद है कि इस फिल्म में कोरियाई सुपरस्टार डॉन ली भी नजर आने वाले हैं। सोशल मीडिया पर बीते कई दिनों से डॉन ली के नाम पर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। अब फिल्म के निर्देशक ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में एक कार्यक्रम में बाद करते हुए संदीप कहा, इसके फिल्म लिए प्रतीक्षा करें... यह प्रतीक्षा करने लायक है।इसके अलावा जब उनसे पूछा गया कि फिल्म कब शुरू होगी तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि यह जल्द ही शुरू होगी और विवरण उपलब्ध होने पर दिया जाएगा।हॉलीवुड में भी नाम कमा चुके कोरियाई स्टार डॉन ली को लेकर लोगों ने उम्मीद लगा रखी है कि वह प्रभास की आगामी फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक इस बारे में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, फिल्म के निर्माता भूषण कुमार ने हाल ही में एक बातचीत में कहा था कि फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की बढ़ीं मुश्किलें, आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। तमिलनाडु में तेलुगु भाषी लोगों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें शनिवार को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया। अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। तमिलनाडु में तेलुगु भाषी लोगों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें शनिवार को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया।हिंदू मक्कल काची की बैठक में 50 वर्षीय अभिनेत्री की टिप्पणी पर भाजपा के तमिलनाडु के राष्ट्रीय सह-प्रभारी डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की थी।भाजपा नेता ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि उनकी टिप्पणियां तमिलनाडु के लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल को बाधित करने वाली हैं और वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) के सिद्धांत के भी खिलाफ हैं। पुलिस ने बताया कि अभिनेत्री ने विवाद के तुरंत बाद अपनी टिप्पणी वापस ले ली थी।इससे पहले मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि मशहूर हस्तियों को सार्वजनिक मंच पर ऐसे मुद्दे को उठाने से पहले हमेशा दो बार सोचना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा था कि उन्होंने ठीक तरह से माफी नहीं मांगी और केवल अपने भाषण में की गई टिप्पणी से बचने का प्रयास किया था।

बढ़ती लागत की बहस का हिस्सा बने अजय-अक्षय, बारीकी से समझाया सितारों की फीस का पैमाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में फिल्मों की बढ़ती लागत का मुद्दा गर्माया हुआ है। अब 'सिंघम अगेन' के स्टार्स अक्षय कुमार और अजय देवगन भी इस बहस का हिस्सा बनते नजर आए हैं। मनोरंजन जगत में फिल्मों की बढ़ती लागत और रेवेन्यू का मुद्दा गर्माया हुआ है। इस पर अनुराग कश्यप, जावेद अख्तर, करण जौहर, कार्तिक आर्यन और अनुराग कश्यप समेत तमाम हस्तियां अपनी राय रख चुकी हैं। वहीं, अब बॉलीवुड के 'सिंघम' यानी अजय देवगन और अक्षय कुमार भी इस बहस का हिस्सा बन गए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में दोनों अभिनेताओं से पूछा गया कि क्या अब फिल्म बनाने में अधिक लागत आती है क्योंकि अभिनेता भारी-

भरकम फीस लेते हैं। इस पर, अभिनेताओं ने अपने दृष्टिकोण साझा किए और यह भी बताया कि अभिनेताओं की फीस चार्ज करने की क्या प्रक्रिया होती है। अजय देवगन ने बताया कि अभिनेता कैसे वेतन लेते हैं। उन्होंने कहा, 'अभिनेता स्क्रिप्ट और फिल्म के अनुसार फीस लेते हैं। और हममें से ज्यादातर लोग वसूली के अनुसार शुल्क ले रहे हैं।' अक्षय कुमार अजय की लगभग हर बात से सहमत थे। उन्होंने आगे कहा, 'अगर हम आज कोई फिल्म साइन करते हैं, तो हम कुछ भी चार्ज नहीं करते हैं, हम सिर्फ एक हिस्सेदारी लेते हैं।अजय देवगन ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'अगर फिल्म काम करती है, तो हमें लाभ में हिस्सा मिलता है, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो हमें कोई हिस्सा नहीं मिलता है।' इसे समझाते हुए, अक्षय कुमार ने कहा कि लाभ में हिस्सेदारी का मतलब है कि अभिनेताओं को सफलताओं के लिए पुरस्कृत किया जाता है और विफलताओं के लिए दंडित किया जाता है।इस बातचीत को जारी रखते हुए, अजय ने कहा, 'कभी-कभी, कोई शेयर भी नहीं होता है। फिर आपको कीमत चुकानी पड़ती है। यह भी जुनून है।' उसी कार्यक्रम में, अभिनेताओं से इस धारणा के बारे में पूछा गया कि क्या साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड की तुलना में अधिक एकता है। इस पर अक्षय ने कहा, 'मैं मानता हूं कि हमारे बीच ज्यादा एकता नहीं है। मुझे नहीं पता कि अजय क्या सोचते हैं।'अपनी राय साझा करते हुए, अजय ने कहा, 'यह ओपनिंग के बारे में नहीं है, क्योंकि बहुत सी चीजें खेल में आती हैं। लेकिन मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि वे (साउथ इंडस्ट्री के लोग) एक साथ एक इंडस्ट्री के रूप में आते हैं और एक-दूसरे के लिए खड़े होते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।